5 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

2 गज दूरी
मास्क जरूरी

मासिक
कुमावत इंडिया
कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-6 | अंक-6 जनवरी-2023 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

श्रीमती रेनु एवं श्री चेतन कुमावत

को

25 वीं वैवाहिक वर्षगांठ

5 फरवरी

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

टीम चेतन धुंधारिया

(राज्य स्तरीय ''निक्षाय मित्र'' से सम्मानित संस्था)

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	**मो. 9414554322**
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	**मो. 9887440666**
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	**मो. 9414810584**
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	**मो. 9549656438**
सदस्य ट्रस्टी	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	**मो. 9414994006**
		सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	**मो. 9829056063**
		हेमचन्द खड़गटा	**मो. 9351682036**
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	**मो. 9414074376**
		जयकिशन सोकिल	**मो. 9829125428**
		चेतन बालोदिया	**मो. 9414052736**
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	**मो. 9414263429**

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083, रवि कुमावत **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, प्रभुदयाल तुनगरिया किशनगढ़ 9680931428, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया तथा मुकेश कारगवाल 9828606056, राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493 किशनगढ़ :** नन्दकिशोर पारमवाल **मो. 9667090499 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, करतारपुरा, 22 गोदाम, इण्डस्ट्रीज एरिया, जयपुर।

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385 यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रशीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

हमारे जीवन में होने वाली सुख-दु:ख, मान-अपमान आदि घटनाओं का प्रभाव दीर्घकाल तक हमारे मानस पटल पर बना रहता है। हम इस संसार में अच्छे-बुरे कर्म करते हैं उसका प्रभाव सूक्ष्म संस्कार के रूप में हमारे चित्त व अचेतन मन में अंकित व संचित होता जाता है। सच कहें तो हमारे चित्त में संस्कारों का संसार बसा हुआ होता है। जैसे संसार में चहूं ओर शोर-शराबा सुनाई पड़ता है, वैसे ही चित्त में भी संस्कारों, स्मृतियों तथा घटनाओं का शोर-शराबा होता रहता है। हमारा चित्त भी तो उस सागर की तरह है, जिसमें बार-बार संस्कारों की लहर उठ रही है कभी सुखद तो कभी दु:खद तथा कभी पाप तो कभी पुण्य की। हमारा व्यवहार उसी अनुरूप परिवार के साथ चलता रहता है जो हमारे बच्चों के चेतन व अचेतन मन में प्रभाव डालता रहता है। हमें बच्चों को परिवार में अपने व्यवहार, कर्म पारिवारिक एवं सामाजिक गतिविधियों के द्वारा अच्छे व सूक्ष्म संस्कार उनके चित्त में संचित करने चाहिए जिससे उनके मानस पटल पर यह प्रभाव दीर्घकालीन तक रहे। सर्वप्रथम बच्चों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। यदि बच्चे मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे तो परिवार का वातावरण और माहौल भी ठीक रहेगा। किंतु वर्तमान में हम 5-10 प्रतिशत उन बच्चों के बारे में चर्चा करेंगे जिन्हें डिस्लेक्सिया (learning disorder) की बीमारी है, यह एक विशेष समस्या है जिसमें उन्हें पढ़ने व सीखने की समस्या रहती है। बच्चों का देरी से बात करना, नये शब्दों को देरी से सीखना और पढ़ना, याद रखने में कठिनाई, वर्तनी उच्चारण में कठिनाई तथा सोचने-समझने में कठिनाई हो तो यह बीमारी हो सकती है। जब बच्चा थोड़ा बड़ा होकर विद्यालय जाने लगता है तभी इसका पता लग पाता है। यह तंत्रिका तंत्र से जुड़ी समस्या है। बच्चों में सामान्य रूप से शारीरिक स्तर पर इस समस्या के लक्षण नहीं दिखाई देते हैं परंतु जब उनमें बोलने, सीखने व भाषा संबंधित समस्याएं दिखाई देती है तभी इस बीमारी का पता लगता है। इस समस्या से प्रभावित बच्चों में मानसिक गतिविधियां भले ही असामान्य दिखाई देती हो किंतु यह कोई मानसिक रोग नहीं है। इस बीमारी का वैज्ञानिक रीति से संपूर्ण उपचार अभी तक उपलब्ध नहीं है तथापि इसके समुचित प्रबंधन के उपाय अवश्य हैं। वैज्ञानिकों व शोधार्थियों द्वारा उपचार एवं प्रबंधन प्रक्रिया में निम्नलिखित तीन चिकित्सा प्रणाली उपयोग में ले सकते हैं-

1. मनोवैज्ञानिक परामर्श परिवार एवं शिक्षकों द्वारा प्रति सप्ताह 30 मिनट व्यक्तिगत काउंसलिंग, जिससे बच्चों में आत्मविश्वास व सीखने की क्षमता में वृद्धि हो सके।

2. यौगिक तकनीक इसके के अंतर्गत 10 मिनट नियमित सिंहासन एवं भ्रामरी का योगाभ्यास कराया जाए।

3. आयुर्वेदिक औषधि के अंतर्गत 45 दिनों तक ब्राह्मी, शंखपुष्पी और बच औषधि से निर्मित मिश्रण 30 से 100 ग्राम गाय के दूध के साथ नियमित सेवन कर लाभ उठाया जा सकता है।

इस उपचार-प्रक्रिया का कोई दुष्परिणाम (साइड इफेक्ट) नहीं होता है जिसे अपनाकर डिस्लेक्सिया से पीड़ित बच्चों के जीवन को सामान्य, सहज और समुन्नत बनाया जा सकता है। बच्चे स्वस्थ, सुखी और संस्कारी हों तो परिवार और समाज भी स्वस्थ और सुखी होगा।

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3
विशिष्ठ संरक्षक : श्री यतेन्द्र सिंह, श्री रामेश्वर बम्बोरिया	4
अखिल कुमावत आईईएस टॉपर	5
पी.डी. कुमावत स्काउट जम्बूरी में सम्मानित	5
विशिष्ठ संरक्षक : श्री प्रारूप कुमावत, संरक्षक : श्री राजेश प्रसाद वर्मा	5
गायक मोहन कुमार बालोदिया का कार्यक्रम	6
मेघना कुमावत बीजेपी महिला मोर्चा सिविल लाइन्स मण्डल उपाध्यक्ष नियुक्त	6
सेवा भारती स्कूल के बच्चों को वाशिंग मशीन की सौगात	6
सांवेर भाजपा मण्डल में 4 कुमावत नियुक्त	7
अमरचंद मंडावरा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी में प्रदेश महासचिव नियुक्त	7
नानूराम कुमावत कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष बने	7
रवि कुमार कुमावत बने अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी	7
राधिका कुमावत इंस्पायर अवार्ड से सम्मानित	8
टीम-13 का दम का जयपुर दौरा	8
पचार एकता मंच, जयपुर द्वारा नववर्ष स्नेह मिलन व सम्मान समारोह का आयोजन	8
शादी के लिए चार नहीं तीन साख टालने का निर्णय	9
श्रद्धा-सुमन चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना	9
मनीषा कुमावत को गौरव शिक्षक सम्मान	9
6 जनवरी को सीकर में जादूगर आंचल के शो के उद्घाटन में संतों ने की शिरकत	9
पंकज सिरोहिया विराट बजरंग दल के राजस्थान युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत	9
एक शाम श्याम सांवरे के नाम भजन संध्या का आयोजन	10
दहमी कलां बगरू द्वारा आयोजित वैवाहिक सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन	10
कुमावत बेलदार समाज सेवा संगठन की नवीन कार्यकारिणी गठित	10
ढूंढाड़ परिषद का पतंग महोत्सव सम्पन्न	10
विभिन्न संस्थाओं में भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित	11
उत्तराखण्ड सरकार ने डॉ. पवन कुमावत को विशेष अवार्ड से नवाजा	11
एक नजरिया ये भी	12
आओ संस्कृत सीखें	12
बोध कथा, भक्ति का महत्व, देवांशु को गोल्ड	13
राष्ट्रीय जम्बूरी-2023, समय सूचक का आश्य	14
सफल व चयनित अभ्यर्थियों को व बधाई, बधाई विज्ञापन	15
कुमावत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान, बधाई विज्ञापन	16
बसंत पंचमी पर्व, बधाई विज्ञापन	17
बाबू शोभाराम जी की 129वीं जयंती समारोह मनाया	18
बधाई, बधाई विज्ञापन	18
महाशिवरात्रि पर विशेष	19
आमदनी का जरिया कैंचुआ प्लांट	20
बजाज के शोरूम पर बजाज की नई पल्सर	20
यूं बनाए सूजी ढोकला, हरी सब्जियां खाये : सेहत बनायें	21
वास्तु की दिशाएं बदलेंगी आपकी किस्मत	22
आपका स्वास्थ्य : सर्दी जुकाम	23
विशिष्ठ संरक्षक/श्रद्धांजलि	24
विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें	26
'कुमावत इंडिया' पत्रिका की कार्यकारिणी का विस्तार	27
'कुमावत इंडिया' पत्रिका के मुख्य संरक्षक श्री सुरेन्द्र कुमार नागा का कार्यकाल पूर्ण	28
पार्वती कुमावत को पीएचडी	28
बधाई विज्ञापन	28
नववर्ष पर स्नेह मिलन तथा वृद्धजनों/प्रबुद्धजनों का सम्मान	29
श्रद्धांजलि विज्ञापन	29
श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन	30
बधाई विज्ञापन	30

विशिष्ठ संरक्षक

श्री यतेन्द्र सिंह B.Tech, MBA

निवासी डी-101, तारा नगर डी, खिरणी फाटक, झोटवाड़ा, जयपुर-302012 मो. : 8745099606, 9214304543

श्री यतेन्द्र सिंह का जन्म 14 मार्च, 1985 को श्री मनमोहन सिंह दोराया (रिटा. प्रबन्धक यूको बैंक) के यहां हुआ। आप प्रारम्भ से ही प्रतिभा के धनी है। आप गत पांच वर्षों से AKQA (WPP) संस्था में प्रबन्धक के पद पर गुड़गांव हरियाणा में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। आपका विवाह सुरभि पुत्री श्री अनिल कुमार निवासी पटनासिटी से हुआ है जो अभी एचडीएफसी लिमिटेड, नई दिल्ली में वरिष्ठ प्रबन्धक के पद पर कार्यरत हैं। आपके एक पुत्री अनायरा कक्षा प्रथम में अध्ययनरत है। आप मृदुस्वभाव के हैं तथा सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणीय रहते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

विशिष्ठ संरक्षक

श्री रामेश्वर बम्बोरिया BA, LLB

पुत्र श्री नन्दकिशोर कुमावत

प्लाट नं. 3, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर, मो. 8279113101

आप प्रारम्भ से ही प्रतिभावान व्यक्तित्व तथा संगठन क्षमता के धनी रहे हैं। आप सम्पत्ति क्रय-विक्रय का व्यवसाय कर रहे हैं। आप सामाजिक एवं राजनीतिक रूप से भी सक्रिय हैं तथा सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) के अध्यक्ष हैं। महासभा में आपने अनेक कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न किए हैं। आपकी उद्बोधन एवं तार्किक क्षमता अद्वितीय है। आप कुमावत क्षत्रिय बाल शिक्षा समिति सोडाला जयपुर के मंत्री, भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा के वर्ष 1994-98 उ.पू. जोन अध्यक्ष रहे तथा बाल निवास के ट्रस्टी हैं। आप भाजपा प्रदेश ओबीसी प्रकोष्ठ में कोषाध्यक्ष व मंत्री रहे तथा वर्तमान में अजमेर देहात भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

अखिल कुमावत IES टॉपर

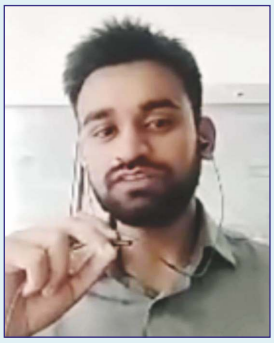

संघ लोक सेवा आयोग की इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा (IES) इलेक्ट्रिक ब्रांच में जयपुर के अखिल कुमावत ने दूसरे प्रयास में सेल्फ स्टेडी करके देश में पहला स्थान अर्जित किया है।

अखिल कुमावत के पिता श्री शंकर लाल कुमावत जयपुर में एक निजी स्कूल संचालक है। अखिल ने जयपुर के MNIT से पढ़ाई की है, वर्तमान में ये इंडियन ऑयल कारपोरेशन लि. मुम्बई में अधिकारी हैं। इनकी सफलता से कुमावत समाज के युवा प्रोत्साहित होंगे।

अखिल कुमावत ने अपने माता-पिता व कुमावत समाज का नाम पूरे देश में गौरवान्वित किया है, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई एवं शुभकामना।

पी.डी. कुमावत स्काउट जम्बूरी में सम्मानित

18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी, नीमली, रोहट, पाली में 4-10 जनवरी, 2023 को आयोजित हुई। इसका उद्घाटन राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने किया था। इस जम्बूरी में 35 हजार स्काउट्स ने भाग लिया। **पी.डी. कुमावत** (दांतारामगढ़, करड) राज्य स्तरीय पुरस्कृत वरिष्ठ शिक्षक को सिक्योरिटी का इंचार्ज बनाया गया। इन्होंने माननीया राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्रीगण, संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर, शिक्षा निदेशक इत्यादि अधिकारियों की अगवानी करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू रूप से संभाला।

राष्ट्रपति महोदया द्वारा जम्बूरी के उद्घाटन समारोह की व्यवस्था की जिम्मेदारी भी इन्हें सौंपी गई थी। इन्होंने अपनी जिम्मेदारी को अच्छे तरीके से निभाया। इनकी उत्कृष्ट सेवाओं को मध्यनजर रखते हुए स्काउट गाइड संस्थान ने जम्बूरी स्थल पर ही संगठन आयुक्त पुरण सिंह शेखावत, सहायक संगठन आयुक्त दामोदर शर्मा, राज्य प्रशिक्षण आयुक्त बन्नालाल द्वारा इन्हें प्रमाण पत्र और मोमन्टों देकर सम्मानित किया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री पी.डी. कुमावत को यह सम्मान मिलने पर हार्दिक बधाई।

विशिष्ठ संरक्षक

श्री प्रारूप कुमावत

पुत्र श्री चन्द्रशेखर कुमावत (कारगवाल)
निवासी- बी-3, कृष्णापुरी, रांकडी, हटवाडा रोड़, जयपुर

आपका जन्म जिला जयपुर में 11.11.2001 को चन्द्रशेखर कुमावत के घर में हुआ। व्यवहार कुशल एवं मृदुभाषी स्वभाव के हैं। आप बचपन से प्रतिभा के धनी हैं। आप सीनियर सैकेण्डरी परीक्षा उत्तीर्ण कर कम्प्यूटर साइंस से बी.टेक कर रहे हैं। आपके पिता चन्द्रशेखर कुमावत निरीक्षण विभाग, वित्त भवन, जयपुर में सहायक प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत तथा माता श्रीमती रेणु कंवर गृहणी हैं। आपकी बड़ी बहन जोतिषा कुमावत एमबीए करके प्राईवट जॉब कर रही हैं। आप सदैव सामाजिक कार्यो में अग्रणी रहते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

संरक्षक

श्री राजेश प्रसाद वर्मा

निवासी- ए-10, गोविन्द नगर, खातीपुरा रोड़,
गोवर्धन स्काई मॉल के सामने, झोटवाडा, जयपुर-302012

आपका जन्म जिला जयपुर में स्व. श्री शीतल प्रसाद कुमावत (खोराणिया) के यहां हुआ था। आपका विवाह श्रीमती रेखा कुमावत पुत्री गैंदीलाल किरोडीवाल झोटवाडा के साथ हुआ। आपके पुत्र शोभित कुमावत व हर्षित कुमावत हैं। आप दोनों ने बच्चों का पालन पोषण बड़ी जिम्मेदारी के साथ करते हुए अच्छी शिक्षा प्रदान की। आपका बडा पुत्र शोभित कुमावत, सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी (राजपत्रित अधिकारी) है। आप पिछले 10 वर्षों से वुडन फर्नीचर का व्यवसाय कर रहे हैं। आप व्यवहार कुशल एवं मृदुभाषी होने के साथ कार्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं व सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणी रहते हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

गायक मोहन कुमार बालोदिया का कार्यक्रम 'पर्दा है पर्दा' का संगीत प्रेमियों ने लुत्फ उठाया

जयपुर। बॉलीवुड को सैकड़ों सुपरहिट गीतों की सोगात देने वाले महान संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत प्यारेलाल को समर्पित एक कार्यक्रम **पर्दा है पर्दा** 8 जनवरी को महाराणा प्रताप ऑडिटोरियम, जयपुर में आयोजित हुआ। बालोदिया इवेंट्स के जाने-माने गायक मोहनकुमार बालोदिया के निर्देशन में कलाकारों ने लक्ष्मीकांत प्यारे लाल की जोड़ी के 27 सुपरहिट गीतों की माला पिरोकर संगीत प्रेमियों का दिल जीत लिया। इसमें मोहन कुमार व वॉइस ऑफ लता मंगेशकर के नाम से मशहूर गायिका रश्मि बालोदिया आदि गायकों ने गीतों को अपनी आवाज दी। कार्यक्रम का संचालन अरूण किम्मतकर ने किया।

इन गीतों की प्रस्तुति रही खास

मोहन कुमार बालोदिया ने 'मेरा तो जो भी करम है वो तेरी राह में है', 'आप आए बहार आई', और 'मुबारक हो सबको समा ये सुहाना', रश्मि बालोदिया ने ' 'सोलह बरस की बाली उमर को सलाम' 'ओ राम जी बड़ा दु:ख दीना', नागेश भट्नागर व निकिता कोका लालवानी ने युगल गीत 'इक प्यार का नगमा है', राजीव सक्सेना ने 'मेरे महबूब कयामत होगी' राजीव व बेला माथुर के गाए 'जिन्दगी की ना टूटे लड़ी' आदि गीत गाए, जो सहज ही श्रोताओं के दिल में उतरते चले गए। गायक कलाकारों को सभी श्रोताओं ने सराहा है।

मेघना कुमावत बीजेपी महिला मोर्चा सिविल लाइन्स मण्डल उपाध्यक्ष नियुक्त

मेघना कुमावत पत्नी श्री दिलीप वर्मा (जलांधरा) को भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष राघव शर्मा, जयपुर शहर महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष श्रीमती अनुराधा माहेश्वरी एवं सिविल लाईन मण्डल अध्यक्ष निर्मल राजपुरोहित के निर्देश पर इन्दु परमार अध्यक्ष महिला मोर्चा सिविल लाइन मण्डल जयपुर द्वारा उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर भाजपा ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर अध्यक्ष श्री चेतन कुमावत, टीम चेतन धुंधारिया, भाजपा कार्यकर्ताओं, उनके पिता श्री रामप्रकाश मारवाल (सम्पादक, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका) तथा कुमावत समाज के गणमान्य लोगों ने मेघना कुमावत को बधाई दी है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्रीमती मेघना कुमावत, को महिला मोर्चा उपाध्यक्ष बनाये जाने पर हार्दिक बधाई।

सेवा भारती स्कूल के बच्चों को वाशिंग मशीन की सौगात

नववर्ष के अवसर पर अनुकृति के पिता राकेश कुमावत व माता श्रीमती मीना कुमावत सेवा भारती आश्रम शाला पहुंचे और वाशिंग मशीन भेंट करते हुए बच्चों को नववर्ष की बधाई व शुभकामनाएं दी। वाशिंग मशीन पाकर बच्चों में चेहरों पर खुशी की लहर छा गई। यहां पहली कक्षा से लेकर 12 कक्षा तक के 60 बच्चे अध्ययनरत है। बच्चों की यूनिफार्म साफसुथरी रहे, उनके कपड़ों की अच्छे से धुलाई हो सके, इसके लिए राकेश कुमावत ने यह वाशिंग मशीन भेंट की है।

अनुकृति के पिता राकेश कुमावत ने कहा कि अनुकृति को बचपन से ही छोटे बच्चों से लगाव था। सभी मन लगाकर पढ़ाई करें, किसी बात में संकोच नहीं करें। बच्चों ने इस अवसर पर मंगल गीत गाकर धन्यवाद दिया और संचालिका विमला कुमावत ने राकेश कुमावत और उनके परिवार का आभार व्यक्त किया।

साँवेर भाजपा मण्डल में 4 कुमावत नियुक्त

साँवेर जिला इंदौर, मध्यप्रदेश में भारतीय जनता पार्टी ने केशरीपुरा निवासी **नेमीचंद** कारवाल एवं ग्राम बलौदा निवासी **मुन्नालाल कुमावत** को मण्डल उपाध्यक्ष ग्राम टीटावदा निवासी पूर्व सरपंच **कृष्णा कुमावत** को महामंत्री तथा केशरीपुरा निवासी **तुषार सिरोठा** को सोशल मीडिया सहयोगी के पद पर नियुक्त किया गया है।

इनकी नियुक्ति पर कुमावत समाज के वरिष्ठ समाजसेवी व वर्तमान विधायक प्रतिनिधि पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्री दिलीप जी चौधरी, वर्तमान नगर परिषद अध्यक्ष संदीप जी चंगेडिया तथा इष्टमित्रों व परिजनों के द्वारा बधाई दी गई।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से इन पदाधिकारियों को बधाई।

अमरचंद मंडावरा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी में प्रदेश महासचिव नियुक्त

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग में अमरचंद मंडावरा को प्रदेश महासचिव पद पर नियुक्त किया गया है। अमरंचद मंडावरा ओबीसी विभाग कांग्रेस के महासचिव, राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ में प्रदेश में महासचिव, मुख्य प्रवक्ता, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी वैशाली नगर, पृथ्वीराज नगर जन अधिकार संघर्ष समिति में कार्य करते हुए अपनी पहचान बनाई है। इन्हें प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षक प्रकोष्ठ के अधिवेशन में दो बार पीसीसी चीफ द्वारा सम्मानित किया गया है। इन्हें लगभग 70 संस्थाओं द्वारा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया है।

ये समाज के विभिन्न संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। वर्तमान में ये राजस्थान युवा कुमावत मोर्चा में उपाध्यक्ष, श्री कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति में जन सम्पर्क एवं सांस्कृतिक मंत्री हैं।

'कुमावत इंडिया' परिवार की ओर से आपको प्रदेश कांग्रेस ओबीसी महासचिव बनाये जाने पर हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं।

नानूराम कुमावत कांग्रेस ओबीसी विभाग के जिलाध्यक्ष बने

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अन्य पिछड़ा विभाग में श्री नानूराम कुमावत को जिलाध्यक्ष जयपुर देहात के पद पर नियुक्त किया गया है। कुमावत को जिम्मेदारी सोंपने पर कार्यकर्ताओं में खुशी लहर छा गई व बधाई देने वालों का तांता लग गया। कुमावत सामाजिक एवं राजैनतिक गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लेते हैं। आपका खेलों के प्रति रूझान रहा है आपने राष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी आदि खेलों में अपने कौशल का परिचय दिया है। राजस्थान विश्वविद्यालय से एम.ए., बी.एड. करने के पश्चात विभिन्न शिक्षण संस्थाओं में अपनी सेवायें दी। राजनीति आप सन् 2008 से सक्रिय हैं तथा पार्टी में आपने पूर्ण जिम्मेदारी एवं लगन से कार्य किया है।

जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार की ओर से श्री नानूराम कुमावत को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

रविकुमार कुमावत बने अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग बीसलपुर परियोजना खण्ड प्रथम कावेरी पथ, मानसरोवर जयपुर में कार्यरत श्री रविकुमार कुमावत को अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के पद पर पदोन्नत कर इनका पदस्थापन कार्यालय सहायक अभियन्ता जन स्वा. अभि. विभाग जिला ग्रामीण उप खण्ड प्रथम सांगानेर, जयपुर में किया गया है। श्री रवि कुमार कमावत को पदोन्नति पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई व शुभकानाएं।

राधिका कुमावत इंस्पायर अवार्ड से सम्मानित

पोटला स्वामी विवेकानन्द राजकीय मॉडल स्कूल, गंगापुर, भीलवाड़ा की कक्षा 7 की छात्रा राधिका कुमावत को इंस्पायर अवार्ड मानक योजना वर्ष 2022-23 के लिए चयनित किया गया है। यह अवार्ड नवाचार को प्रोत्साहन देने हेतु विज्ञान एवं गणित विषय के विद्यार्थियों को दिया जाता है। चयनित छात्र-छात्राओं के बैंक खाते में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली द्वारा डिबीटी के जरिए 10,000 रुपए की राशि जमा कराई जाती है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से राधिका कुमावत को हार्दिक बधाई।

चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर का 'टीम 13 का दम' उदयपुर ने मेवाड़ी पगड़ी व उपरणा ओढ़ाकर किया स्वागत

उदयपुर। जिलाध्यक्ष का दो दिवसीय उदयपुर प्रवास पर महासभा भवन प्रांगण में टीम 13 का दम ने मेवाड़ी पगड़ी एवं उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया। टीम ने महासभा भवन का अवलोकन कराया व भवन के निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी ली। चेतन कुमावत ने नगर महासभा उदयपुर के द्वारा किये गए कार्यो एव सकारात्मक प्रयासों की भूरी.भूरी प्रशंसा करते हुए नगर महासभा टीम को धन्यवाद दिया। इन्होंने महासभा भवन निर्माण कार्य के लिए 5,051 रुपये का नकद आर्थिक सहयोग किया।

टीम-13 का दम का जयपुर दौरा

टीम-13 का दम के सदस्य तीन दिवसीय दौरे पर राजसमंद, अजमेर, किशनगढ़, दूदू, बगरू का दौरा करने के पश्चात 03 जनवरी 2023 को राष्ट्रीय महासभा के पूर्व अध्यक्ष ताराचंद जी सिरोहिया, पूर्व महामंत्री छोटू राम बड़ीवाल, विजय पाल मारवाल, महासभा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष गोपाल अनावड़िया, प्रदेश अध्यक्ष गौरीशंकर कुमावत, प्रदेश महामंत्री रूप किशोर जी रतिवाल, पूर्व उतरी-पूर्वी जोन अध्यक्ष रामप्रकाश जी बेरा, उत्तरी पूर्वी जोन जिलाध्यक्ष, ओबीसी मोर्चा BJP चेतन जी धुंधारिया, सदस्य श्रीमती नीतू गेदर, **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका के सह-संपादक जयसिंह गुड़ीवाल एवं सह-कोषाध्यक्ष खेमचन्द खड़गटा, उदयपुर

जिला महासभा भामाशाह एवं बिल्डर श्री राजेन्द्र खोरानिया, भामाशाह श्री ओम प्रकाश माचीवाल से औपचारिकता मुलाकात कर हुए उन्हें '13 का दम टीम' के उद्देश्य और कार्य प्रणाली की विस्तृत जानकारी दी व सहयोग करने की अपील की।

इस अवसर पर ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष जयपुर ने महासभा भवन में 21,000/- रुपये का सहयोग दिया। श्री चेतन धुन्धारिया को महासभा भवन निर्माण कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया।

पचार एकता मंच, जयपुर द्वारा नववर्ष स्नेह मिलन व सम्मान समारोह का आयोजन

पचार एकता मंच, जयपुर का नववर्ष स्नेह मिलन समारोह जयपुर में सीकर रोड पर स्थित नीलगिरी होटल में 8 जनवरी 2023 को संपन्न हुआ। यह जयपुर में रह रहे पचार ग्राम वासियों का संगठन है। मंच में 200 परिवारों को एक जगह इकट्ठा किया गया है।

इसमें लगभग एक हजार सदस्य हैं। इसमें करीब 250 सहभागियों ने हिस्सेदारी की जिसमें बुजुर्ग, महिलाएं व बच्चे शामिल थे। पचार एकता मंच के अध्यक्ष लक्ष्मी नारायण कुमावत तथा मनोज सिरसवा वाणिज्य सचिव हैं।

इस अवसर पर पचार एकता मंच की डायरेक्टरी के प्रकाशन के विषय में बताया गया। मंच संचालन श्री लक्ष्मी नारायण कुमावत ने किया। वरिष्ठजनों तथा विशिष्टजनों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि के रुप में खाचरियावास के प्रिंसिपल पंडित श्री श्रीराम शर्मा को मोमेंटो देकर व एंबलम की माला पहनाकर स्वागत किया गया तथा 80 वर्ष व उससे अधिक की उम्र के वरिष्ठ व प्रबुद्धजनों का सम्मान किया।

इसके साथ ही विशेषजनों में स्टेट लेवल पर मेडल प्राप्त कुशाग्र काला तथा राजस्थान लेवल पर पेंटिंग के अंदर मुख्यमंत्री से सम्मानित प्रियंका कुमावत का सम्मान किया गया। पचार के सरपंच श्री राहुल कुमावत का तथा वार्ड 15 जयपुर की पार्षद श्रीमती मीनाक्षी शर्मा का भी स्वागत किया गया। धन्यवाद के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। इसके बाद सभी ने भोजन का आनंद लिया ।

शादी के लिए चार नहीं तीन साख टालने का निर्णय

नावां में कुमावत समाज की बैठक हुई जिसमें शादी-विवाह में आ रही दिक्कतों को ध्यान में रखते हुए अब रिश्ता करने पर चार साख टालने के स्थान पर तीन साख टालने का निर्णय लिया गया जिसमें स्वयं, माँ तथा दादी की साख टालने की व्यवस्था होगी तथा नानी की साख को टालने की परम्परा त्यागने का निश्चय किया गया। श्री कुमावत समाज सुधार एवं सेवा समिति तथा श्री कुमावत समाज की संयुक्त बैठक में अध्यक्ष नारायण लाल नोखवाल व मदनलाल पिपलोदा की अध्यक्षता में यह सहमति बनी।

बैठक में शादी विवाह में DJ पर प्रतिबन्ध को आगे बढ़ाया गया, मृत्युभोज नहीं करने, पंचों की उपस्थिति में पगड़ी का दस्तूर करने तथा मृतक के परिवार में भोजन नहीं करने का भी निर्णय

लिया गया। समाज की 24 साल तक सेवा करने व सामूहिक विवाह सम्मेलन शुरू करने वाले भींवाराम मोरवाल तथा कुमावत युवा शक्ति के अध्यक्ष राजेश कुमावत जिन्होंने रक्तदान शिविर में 625 यूनिट रक्त संग्रह किया का, साफा व माला पहनाकर अभिनन्दन किया गया।

श्रद्धा-सुमन चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना

श्री राजेश कुमावत पार्षद वार्ड नं. 135, जयपुर नगर निगम ग्रेटर (मो. 9057502446) के प्रयासों से सर्वसमाज द्वारा श्रद्धा-सुमन चैरिटेबल ट्रस्ट की स्थापना की गई है। इस ट्रस्ट द्वारा सर्वसमाज को तीये की बैठक के लिए कारपेट, टेबल, कुर्सी, कनात, गद्दे, चादर तथा माइक सेट आदि नि:शुल्क उपलब्ध कराया जाता है। इस ट्रस्ट का कार्यालय किसान मार्ग, टोंक रोड, जयपुर स्थित बालोदिया की कोठी है। इस कार्य के लिए ट्रस्ट के संस्थापकों को साधुवाद।

मनीषा कुमावत को गौरव शिक्षक सम्मान

मनीषा कुमावत अध्यापिका राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय राजराजेश्वर रोड, केशवरायपाटन को गौरव शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह सम्मान उनके द्वारा की गई उत्कृष्ट शैक्षणिक सेवा, सह-शैक्षणिक क्षेत्र में किये अनुकरणीय कार्यों, नवाचारों तथा कोरोना के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए दिया गया है। इन्हें पहले भी अनेक सम्मानों से विभूषित किया जा चुका है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से मनीषा कुमावत को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना।

6 जनवरी को सीकर में जादूगर आंचल के शो के उद्घाटन में संतों ने की शिरकत

13 साल बाद अपने पैतृक जिले में आई शेखावाटी की लाडली जादूगर आंचल के उद्घाटन समारोह में 6 जनवरी को रेवासा धाम के अग्र पीठाधीश्वर स्वामी राघवाचार्य जी, लोहार्गल सूर्य मंदिर के पीठाधीश्वर जगतगुरु महंत स्वामी अवधेशाचार्य जी, अनंत तपस्वी एवं भजन सम्राट संत श्री प्रकाश दास जी महाराज, कथाकार गोपाल कृष्ण जी महाराज सहित शहर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने जादूगर आंचल के शो में पधार कर जादू का लुत्फ उठाया एवं भरपूर आशीर्वाद दिया।

सीकर के रामलीला मैदान में इन दिनों रोजाना आंचल का शो हाउसफुल जा रहा है।

इंजी. पंकज सिरोहिया विराट बजरंग दल के राजस्थान युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

विराट बजरंग दल राजस्थान युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष पद पर इंजी. पंकज सिरोहिया को मनोनीत किया है। सिरोहिया के राजस्थान युवामोर्चा प्रदेश अध्यक्ष बनने पर सभी मित्रगण समाजबंधु आदि लोगों ने बधाई दी और उज्जवल भविष्य की कामना की। इस मौके पर नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष युवामोर्चा ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया।

कैलाश कुमावत राष्ट्रीय ज्वाइंट कॉर्डिनेटर मनोनीत

अकलेरा, झालावाड़, राजस्थान के श्री कैलाश कुमावत को ओबीसी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष अजय यादव की सहमति से महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने नेशनल ज्वाइंट कॉर्डिनेटर नियुक्त किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री कैलाश कुमावत को हार्दिक बधाई।

एक शाम श्याम सांवरे के नाम भजन संध्या का आयोजन

'श्री श्याम प्रेमी परिवार' जयपुर की ओर से नववर्ष की पूर्व संध्या पर 'एक शाम श्याम सांवरे के नाम' भजन संध्या का आयोजन न्यू सांगानेर रोड, जयपुर स्थित ओमकार मैरिज गार्डन में किया गया। कलाकारों ने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी, जो देर रात तक चली, इस भजन संध्या में श्रोता मंत्र मुग्ध होकर भजनों का आनन्द लिया। श्याम बाबा का अलौलिक श्रृंगार कर इत्र व पुष्प वर्षा की गई। कीर्तन की है रात बाबा आज थानै आनो है....., कर ले भरोसा श्याम प्रभु का.....,

मुझे चढ गया श्याम रंग..... जैसे भजनों को सुनकर भक्त देर रात तक भावविभोर नृत्य करते रहे।

कार्यक्रम संयोजक वंदना फ्लावर्स के शंकर बालोदिया ने बताया कि प्रभु श्याम को छप्पन भोग तथा पौष बड़ो का भोग लगाया गया। इसके बाद पौष बड़ो की प्रसादी वितरण की गई। कार्यक्रम में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गैदर, चेतन बालोदिया, जयसिंह गुडीवाल, खेमचंद खडगटा, राकेश कुमावत व सौभागमल कुमावत व शशि कुमार खडगटा ने भी शिरकत की।

दहमी कलां बगरू द्वारा आयोजित वैवाहिक सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन

श्री क्षत्रिय कुमावत समाज कल्याण संस्थान दहमी कलां बगरू के पांचवें सामूहिक विवाह सम्मेलन के पोस्टर का विमोचन चेतन कुमावत जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर द्वारा किया गया। विवाह सम्मेलन बुधवार 25 जनवरी 2023 को आयोजित किया जाएगा।

इस अवसर पर रामसहाय जी सरोड़िया अध्यक्ष श्री क्षत्रिय कुमावत समाज कल्याण संस्थान दहमी कलां, चैनसुख बड़ीवाल महामंत्री, रामलाल बैथाडिया सदस्य, रामरतन बैरा कोषाध्यक्ष, गणेश कुमावत सरपंच दहमी कलां, जयसिंह कुमावत जिला मंत्री ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर, संदीप कुमावत जिला कार्यकारिणी सदस्य ओबीसी मोर्चा, खेमचंद खड़गटा कोषाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा महेश नगर मंडल उपस्थित थे।

कुमावत बेलदार समाज सेवा संगठन की नवीन कार्यकारिणी गठित

8 जनवरी 2023 को कुमावत बेलदार समाज सेवा संगठन की वर्ष 2023-2026 की नूतन प्रदेश कार्यकारिणी निर्वाचित हुई। इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष वसंतरावजी मुंडावरे, संस्थापक अध्यक्ष श्रीकांतजी परदेशी भी उपस्थित रहे। नवनिर्वाचित पदाधिकारी निम्नानुसार है-

प्रदेशाध्यक्ष- प्रदीप कामे शहादा, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष- घनश्याम कुदेवाल अकोला, प्रदेश उपाध्यक्ष- कैलास कुंडलवाल नाशिक, प्रदेश सचिव- भगवान कुमावत मुंबई, प्रदेश कार्याध्यक्ष- दीपक घोडेले नेवासा, प्रदेश आईटी व प्रसिद्धी प्रमुख- चंदन नाईक, प्रदेश आईटी व प्रसिद्धी उपप्रमुख- मनोज बेलदार, नाशिक विभागीय अध्यक्ष- संजय बागोरे सटाणा, खानदेश विभागीय अध्यक्ष- शंकर कुमावत जलगांव , मराठवाडा विभागीय अध्यक्ष- विकास परदेशी बीड, विदर्भ विभागीय अध्यक्ष- दिलीप मलिये अकोला, मुंबई विभागीय अध्यक्ष- प्रवीण कुमावत कल्याण, पुणे विभागीय अध्यक्ष- अविनाश बैताडे पुणे।

वरिष्ठ सलाहकार-वसंतजी मुंडावरे सटाणा, शिवपालजी मलिये दर्यापूर, हरीश दादा बहिरे अंजनगाव सूर्जी, बापू साहेब कुमावत मुंबई, विनयराव नाईक पुणे।

ढूँढाड़ परिषद का पतंग महोत्सव सम्पन्न

गंगा माता मंदिर स्टेशन रोड पर हर वर्ष की भांति ढूँढाड़ परिषद ने पतंगबाजी का कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें प्रसिद्ध लोकगीत गायक कैलाश गौड़ की टीम ने ढूंढाड़ी लोक गीतों की प्रस्तुति दी।

परिषद अध्यक्ष विजय पाल कुमावत ने बताया की परिषद ये कार्यक्रम हर वर्ष सक्रांति के एक दिन पहले करता आया है। परिषद उपाध्यक्ष एवं पार्षद कपिला कुमावत ने सबका स्वागत किया, जिसमें पूर्व बीजेपी अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अरुण चतुर्वेदी, पूर्व भाजपा अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व विधायक मोहन लाल गुप्ता, सुरेन्द्र पारीक सहित हेरिटेज ग्रेटर के 60 पार्षद सहित कांग्रेस के पूर्व प्रदेश सचिव गिरिराज गर्ग, आर आर तिवाड़ी, पूर्व बीजेपी जयपुर शहर अध्यक्ष शैलेंद्र भार्गव एवं संजय जैन जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल सहित ढूँढाड़ के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विभिन्न संस्थानों में नई भर्तियों हेतु आवेदन आमंत्रित

संकलनकर्ता **मनीष कुमावत,** सांगानेर

क्र. सं.	विभाग का नाम	पद का नाम	पदों की संख्या	वेतनमान / लेवल	अधिकतम आयु	योग्यता	अंतिम तिथि	वेबसाईट का पता
1	राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड, जयपुर	सूचना सहायक	2730	लेवल–6	40	कम्प्यूटर अनुप्रयोग में स्नातक	25.2.23	https://sso.rajasthan.gov.in/
2	जी. जी. टी. विश्वविद्यालय, बासवाड़ा, राज.	राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा	00	लेवल–8	40	संबंधित स्नातकोत्तर	11.2.23	www.ggtu.ac.in
3	एम्स जोधपुर, राजस्थान	वरीष्ठ रेजिडेंटस्	113	लेवल– 10	40	संबंधित स्नात्तकोत्तर	03.2.23	http://www.aiimsjodhpur.edu.in/
4	आयकरविभाग, चैन्नई	इक्सपेक्टर	28	लेवल– 6	30	स्नातक एवं खेल प्रमाण–पत्र	06.2.23	https://img.freejobalert.com/uploads/2023/01/Notification-Incometax-Various-Vacancy posts.pdf
5	आयकर विभाग, चैन्नई	कर सहायक	28	लेवल– 4	30	स्नातक एवं खेल प्रमाण–पत्र	06.2.23	https://img.freejobalert.com/uploads/2023/01/Notification-Incometax-Various-Vacancy-posts.pdf
6	आयकरविभाग, चैन्नई	एम टी एस	16	लेवल– 3	30	10वीं एवं खेल प्रमाण–पत्र	06.2.23	https://img.freejobalert.com/uploads/2023/01/Notification-Incometax-Various-Vacancy-posts.pdf
7	जी ए आई एल इंडिया लिमिटेड	चीफ मैनेजर	5	लेवल– 10	40	संबंधित स्नात्तकोत्तर	02.2.23	https://gailebank.gail.co.in/recruitmentSystem/user/er_login.aspx
8	जी ए आई एल इंडिया लिमिटेड	सीनियर इंजिनियर	132	लेवल– 6	28	संबंधित स्नात्तकोत्तर	02.2.23	https://gailebank.gail.co.in/recruitmentSystem/user/er_login.aspx
9	जी ए आई एल इंडिया लिमिटेड	सैक्शन ऑफिसर	127	लेवल– 4	28	स्नात्तकोत्तर	02.2.23	https://gailebank.gail.co.in/recruitmentSystem/user/er_login.aspx
10	जी ए आई एल इंडिया लिमिटेड	ऑफिसर	14	लेवल– 3	45	स्नातकोत्तर	02.2.23	https://gailebank.gail.co.in/recruitmentSystem/user/er_login.aspx
	कुल रिक्तियाँ		**3193**					

नोट : केवल ऑनलाइन आवेदन मान्य

उत्तराखण्ड सरकार ने डॉ. पवन कुमावत को विशेष अवार्ड से नवाजा

बद्रीनाथ की बर्फीली वादियों में मेडिकल सेवा करने के लिए डॉ. पवन कुमावत को उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री द्वारा विशेष सम्मान से नवाजा गया है। इनकी टीम 6 सिग्मा हैल्थ केयर द्वारा पर्वतीय क्षेत्र में अदम्य साहस व पराक्रम के बल पर केदारनाथ, बद्रीनाथ, तुंगनाथ में वर्ष 2022 में हाई आलटीट्यूट स्वास्थ्य सेवाए प्रदान की है तथा चार धाम यात्रा के दौरान सराहनीय काम किया है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से डॉ. पवन कुमावत को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना।

एक नजरिया ये भी

एक डॉक्टर बहुत ही होशियार थे। उनके बारे में यह कहा जाता था कि वह मौत के मुंह में से भी बीमार को वापस ले आते थे। डॉक्टर के पास जो भी मरीज आता वह उससे एक फॉर्म भरवाते थे। मरीज से यह पूछते कि आप इस फार्म में लिखें कि यदि आप बच गए तो किस तरह से बाकी जिंदगी जीयेगें और आपके जीवन में क्या करना शेष रह गया है जो आप करना चाहेंगें?

सभी मरीज अपने मन की बात लिखने लगे। अगर मैं बच गया तो अपने परिवार के साथ अपना समय बिताऊँगा। मैं अपने पुत्र और पुत्री की संतानों के साथ जी भर कर खेलूंगा। मैंने अपने पति और उनके माता पिता का बहुत दिल दुखाया है, ऑपरेशन के बाद मैं उन सबसे माफी माँगूंगी और उनके साथ हंसी खुशी मिलकर रहूंगी। किसी ने जी भर कर पर्यटन तो किसी ने घूमने का शौक पूरा करने का लिखा। किसी ने तो यह भी लिखा कि मेरे द्वारा जिंदगी में यदि किसी को ठेस पहुंची है तो मैं उससे माफी मागूँगा। किसी ने लिखा कि मैं अपनी जिंदगी में हँसी की मात्रा बढ़ा दूंगा। जिंदगी में किसी से भी शिकायत नहीं करूंगा और ना किसी को शिकायत का मौका दूंगा। किसी का भी मन न दुखे ऐसा काम करूंगा। बहुत से लोगों ने तरह-तरह की बातें लिखी।

डॉक्टर आपरेशन करने के बाद जब मरीज को छुट्टी देते तब वह लिखा हुआ फार्म उन्हे वापस कर देते थे। मरीज से कहते कि आपने जो भी फॉर्म में लिखा है वह आप अपनी जिंदगी में कितना पूरा कर पा रहे हैं उस पर निशान लगाते जाएं। जब भी मेरे पास आएं तब मुझे बताएं कि आप इसमें से किस तरह की जिंदगी जी रहे है। डॉक्टर ने बताया कि एक भी व्यक्ति ने ऐसा नहीं लिखा कि अगर मैं बच गया तो मुझे किसी से बदला लेना है। अपने दुश्मन को खत्म कर दूंगा। मुझे बहुत धन कमाना है। अपने आपको बहुत व्यस्त रखना है। सबसे हंस बोल कर रहना है। प्रत्येक का जीवन जीने का नजरिया अपना-अलग था। डॉक्टर ने प्रश्न किया की जब आप स्वस्थ थे तब आपने इस तरह का जीवन क्यों नहीं जिया। आपको कौन रोक रहा था? अभी कौन सी देरी हो गई है? कुछ क्षण अपने जीवन के बारे में चिंतन मनन करें। हमें अपनी जिंदगी में किस तरह का जीवन जीना शेष रह गया है जो हम जीवन जीना चाहते थे? बस इस तरह का जीवन जीना प्रारम्भ करें।

जीवन का आनंद तब ही है कि जब जीवन की यात्रा पूर्ण हो तब कोई कामना नहीं रहे, कोई अफ़सोस ना रहे। मन में यह ना रहे कि मैं, जैसा हँसमुखी जीवन जीना चाहता था वैसा जीवन नहीं जी सका। **इस सकारात्मक व्यवहार से मरीज भी जल्दी ठीक हुए तथा उनके जीवन में भी बदलाव आये, जिससे उन्हें संतुष्टी मिली।**

- कुमावत इंडिया पत्रिका टीम

नवाचार

आओ संस्कृत सीखे

संस्कृत	हिन्दी
भवान्/भवती कस्यां कक्षायां पठति?	तुम किस कक्षा में पढ़ते हो ?
अहं पंचम-कक्षायां पठामि	मैं पाँचवी कक्षा में पढ़ता हूँ।
भवत: ग्राम:/भवान् कुत्रत्य: ?	आप कहाँ के रहने वाले हैं?
अहं सांगरिया ग्रामस्य निवासी अस्मि।	मैं सांगरिया ग्राम का निवासी हूँ?
कुत: आगच्छति?	आप कहाँ से आ रहे हैं?
विद्यालयत:	स्कूल से
गृहत: आगच्छति	घर से आ रहा/रही हूँ।
.....त:	.....से।
कुत्र गच्छति?	आप कहाँ जा रहे हैं?
देवालयं गच्छामि।	मन्दिर जा रहा हूँ।
(कार्यालयम्) गच्छामि।	(कार्यालय) जा रहा हूँ।
स्वल्पम्।	जरा सा/थोड़ा-बहुत।
अहं न जानामि।	मैं नहीं जानता हूँ।
किमर्थं न भवति?	क्यों नहीं होता हैं?
अथ किम्?	और क्या?
नैव खलु।	नहीं तो ।
आगच्छतु।	आइये/ पधारिये।
उपविशतु।	बैठिये।

व्यवहारिक शब्दावली

संस्कृत	हिन्दी
पुष्पम्	फूल
घटी	घड़ी
दीप:	दीप
कण्ठाहार:	हार
गन्धवर्तिका	अगरबत्ती
सिक्थवर्तिका	मोमबत्ती
दन्तकूर्च:	ब्रश
दन्तफेन:	पेस्ट
वातायनम्	खिड़की
पादरक्षा	चप्पल
कट:	दरी
आच्छादकम्	चादर
कर्तरी	कैंची
क्षालनचूर्णम्	धुलाई का चूर्ण
कण्डोल:	टोकरी

-परमेश्वर प्रसाद कुमावत
(राज्य पुरस्कृत शिक्षक),
शाहपुरा (भीलवाड़ा) 9829321742

बोध कथा

एक बार ज्ञानेश्वर महाराज सुबह-सुबह नदी तट पर घूमने निकले तो देखा कि एक लड़का नदी में गोते खा रहा है और पास में ही एक संन्यासी आँखें बन्द करके बैठा है। ज्ञानेश्वर महाराज तुरन्त नदी में कूदे, उस डूबते हुए लड़के को बाहर निकाला। फिर वे संन्यासी के पास जाकर बोले—'ओ संन्यासी महाराज।'

संन्यासी ने आंखें खोलीं तो ज्ञानेश्वरजी महाराज बोले-

'क्या आपका ध्यान लगता है?'

संन्यासी ने कहा—**'ध्यान तो नहीं लगता है, मन इधर-उधर भागता है।'**

ज्ञानेश्वर जी-'यह लड़का डूब रहा था, क्या आपको दिखाई नहीं दिया?'

संन्यासी ने कहा—**'देखा तो था लेकिन मैं ध्यान कर रहा था।'**

तब ज्ञानेश्वरजी महाराज बोले—**'फिर आप ध्यान में कैसे सफल हो सकते हो? ईश्वर ने आपको किसी की सेवा करने का अवसर प्रदान किया था। यह आपका कर्तव्य भी था। यदि आप इस कर्तव्य का पालन करते तो ध्यान में भी मन लगता।'**

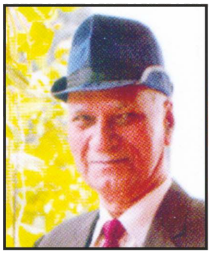

'ईश्वर की सृष्टि, ईश्वर का बगीचा बिगड़ रहा है और आप बगीचे में आनन्द लेना चाहते हो, बगीचे का आनन्द लेना है तो बगीचे को सँवारना भी पड़ता है।'

परहित के कार्य, शास्त्र-सम्मत, संत-अनुमोदित कार्य, आसक्तिरहित कार्य मानव की योग्यताओं को प्रदर्शित करते हैं।

शास्त्रों में इस बात को रेखांकित किया गया है कि जो गति योगी व संन्यासी को मिलती है वही गति निष्काम कर्म करने वाले को मिलती है।

प्रो- बालकृष्ण कुमावत, उज्जैन

भक्ति का महत्व

पश्चिम की विज्ञान की आँधी ने हमारा माइंड सेट ऐसा बना दिया है कि भारतीय मनीषियों की कोई बात हमारे ज़ेहन में तब तक नहीं उतरती है जब तक कि वैज्ञानिक रूप से वह बात सिद्ध न हो जाएं, तब तक अंधविश्वास ही मानते हैं।

अत: भक्ति की वैज्ञानिकता को परखने की कोशिश की गई है। भक्ति और कुछ नहीं है बल्कि किसी के प्रति कृतज्ञता के भाव दर्शित/ उद्-भवित (Express / Cultivate) करना है। वह चाहे परम पिता परमेश्वर हो या अल्लाह हो या God हो या फिर वायु, अग्नि, आकाश, पृथ्वी, जल जैसे पंचभूत हो या सूर्य, चन्द्रमा आदि ग्रह व तारे हो। अर्थात् प्रकृति में जिनसे भी हमें कुछ मिलता है/जिनके भी हम ऋणी है, जिन्हें भारतीय मनीषियों ने देवता कहा, उनके प्रति हमारे विचारों में कृतज्ञता के भाव होने चाहिये तथा यही हमारी भक्ति है। हमारे मन में किसी के प्रति कृतज्ञता के भाव है तो उस वक्त हम भक्ति का कृत्य कर रहे हैं। इसी तथ्य को मद्देनज़र रखते हुए भारतीय मनीषियों ने 33 करोड़ देवी-देवताओं की परिकल्पना हमारे सामने रखी, जिसकी आजकल के कई लोग हँसी उड़ाते हुए मिल जाते हैं।

वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब भी हमारे ज़ेहन में किसी के प्रति कृतज्ञता के भाव आते हैं तो इस कृतज्ञता के भाव का लाभ हमारे शरीर में स्थित 50 खरब कोशिकाओं को मिलता है। प्रकृति का यह नियम है कि हमारे शरीर में हर क्षण अरबों कोशिकाएँ मर कर नई पैदा होती रहती है। इस प्रक्रिया के दौरान DNA Replication होता है जिसके तहत क्रोमोसोम्स की लम्बाई कुछ कम हो जाती है, जो कि हममें बुढापे का प्रभाव (Aging Effect) एवं अन्य बीमारियों जिसमें कैंसर भी सम्मिलित है के लिए जिम्मेदार है। कृतज्ञता/भक्ति के भाव से यह लम्बाई पुन: बढ़ जाती है। इसीलिए मानव जीवन में भारतीय मनीषियों ने भक्ति/कृतज्ञता के भाव को इतना महत्त्व दिया।

-सुखराम सिंघाटिया

देवांशु कुमावत को राज्य स्तरीय किक बॉक्सिंग में गोल्ड

देवांशु कुमावत पुत्र कमल किशोर कुमावत जो कक्षा 12 वाणिज्य संकाय के छात्र हैं, ने जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय किक बॉक्सिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मैडल प्राप्त किया है। अब देवांशु कुमावत को नेशनल किक बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से देवांशु कुमावत को बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं।

सामूहिक विवाह

- **दहमीकलां बालाजी :** 25 जनवरी, 2023
- **सांगानेर, जयपुर :** 26 जनवरी, 2023
- **बंधे के बालाजी :** 21 फरवरी, 2023
- **ब्यावर :** 21 फरवरी, 2023
- **चौखला 35 गांव गाडरिया वास तहसील छोटी सादड़ी प्रतापगढ़ :** 23 अप्रेल 2023

राष्ट्रीय जम्बूरी-2023

आप सभी को नववर्ष की बहुत-बहुत शुभकामनाएं तथा बधाई। आशा है नववर्ष का भास्कर सभी के लिए हर्ष और उल्लास के साथ उन्नति, विकास तथा सफलता के नवीन आयाम लेकर उदित हुआ है। वर्ष 2023 राजस्थान के लिए ऐतिहासिक वर्ष के रूप में उभर कर आया है। नये साल के आगाज के साथ ही 4 जनवरी से 10 जनवरी 2023 तक 18वीं स्काउट एवं गाइड जम्बूरी का आयोजन राजस्थान के पाली जिले के रोहट में किया गया। अत्यन्त सौभाग्य की बात है कि लगभग 67 साल बाद जम्बूरी के लिए राजस्थान की मरूभूमि में आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान आयोजित हुई जिसमें 35 हजार से अधिक देशी एवं विदेशी स्काउट्स एवं गाइड्स ने अपनी सामाजिक एवं सांस्कृतिक परम्पराओं, गतिविधियों एवं विचारधारा को साझा किया। स्काउट-गाइड संगठन **वसुधैव कुटुम्बकम्** की भावना को प्रबल करता है। वर्तमान में इस संगठन में 63 लाख से अधिक सदस्य हैं जो इंसानियत, परहित, सेवाभावना, अनुशासन एवं आत्मसमर्पण की भावना से कार्य करते हैं। इसके माध्यम से विद्यार्थियों में संस्कारों का बीजारोपण होता है तथा ये संस्कार जीवन भर उनको दिशा निर्देश करते हैं। लगभग 220 हैक्टेयर क्षेत्र में जम्बूरी में एक अस्थायी टैंट सिटी का निर्माण किया गया। इसमें 35 ब्लॉक तैयार किए गए, प्रत्येक ब्लॉक में 100-100 टैंट लगाए गये जिसमें प्रत्येक में 8 से 10 विद्यार्थी के ठहरने की व्यवस्था रखी गई, प्रत्येक में राज्यवार किचन बनाई गई। सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र एरिना (स्टेडियम) था जिसमें 37 हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था थी जिसकी क्षमता एसएमएस स्टेडियम से दोगुनी है। यह स्टेडियम लकड़ी की बल्लियों की सहायता से अस्थाई रूप से स्काउट्स गाइड्स द्वारा ही तैयार किया गया था। जम्बूरी विलेज में हैलीपेड, डिस्पेन्सरी, बाजार, सरोवर, प्रदर्शनी आदि बनाये गये। बच्चों ने अपना भोजन स्वयं ही तैयार किया। जम्बूरी में विशेष आकर्षण का केन्द्र 80 से अधिक एडवेन्चर्स रहे जिनमें बच्चों ने अपनी जांबाजी, बहादुरी एवं शारीरिक कुशलता का परिचय दिया।

4 जनवरी को जम्बूरी का उद्घाटन राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के द्वारा किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल कलराज मिश्र, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, भारत स्काउट गाइड के मुख्य अध्यक्ष अनिल जैन एवं राजस्थान स्काउट गाइड के मुख्य आयुक्त निरंजन आर्य इत्यादि भी मौजूद थे। उद्घाटन कार्यक्रम अत्यन्त ही भव्य एवं मोहक था। अनेक कलाकारों ने अपनी कला की प्रस्तुति देकर मन मोह लिया। इस अवसर पर भारतीय वायुसेना के फाइटर विमानों **सूर्यकिरण** द्वारा 22 मिनट तक हैरतअंगेज एयर शो का प्रदर्शन किया। 35 हजार स्काउट्स ने सहगान के रूप में जम्बूरी गीत गाकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया। 7500 स्क्वायर फिट का राष्ट्रीय ध्वज जम्बूरी के भव्य प्रांगण में प्रदर्शित करके एक नया विश्व कीर्तिमान स्थापित किया। अनेक रंगारंग कार्यक्रमों, प्रतियोगिताओं, सांस्कृतिक गतिविधियों, बैंड शो, एडवैन्चर्स, प्रदर्शनी, कैम्प फायर, झांकी, प्रदर्शन तथा पारितोषिक वितरण इत्यादि से सजा सात दिवसीय यह महाकुंभ 10 जनवरी 2023 को अपनी भव्य छठा बिखेरते हुए सबके दिलों को जीतकर अत्यन्त भावुक तथा अपनत्व के भाव के साथ सभी को अविस्मरणीय पलों का अनुभव कराकर सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। यह राजस्थान के लिए गर्व की बात है।

- उर्वशी बालोदिया

समयसूचक AM और PM का आशय क्या है?

समयसूचक AM और PM शब्दों का इन दो शब्दों का मतलब होता है : AM : Ante Meridian, PM : Post Meridian.

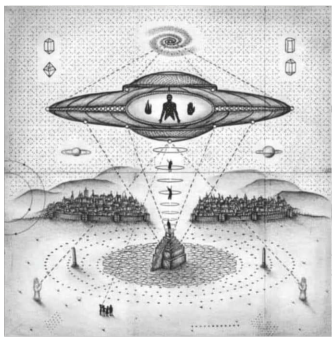

एंटी यानि पहले, लेकिन किसके? पोस्ट यानि बाद में, लेकिन किसके? यह कभी साफ नहीं किया गया, क्योंकि यह इन शब्दों का लघुतम रूप है। काफ़ी अध्ययन करने के पश्चात ज्ञात हुआ कि ये हमारी प्राचीन संस्कृत भाषा से है, देखिये-

AM = आरोहनम् मार्तण्डस्य Aarohanam Martandasya

PM = पतनम् मार्तण्डस्य Patanam Martandasya.

स्पष्ट है कि इसका उद्गम भारत ही हुआ था कहीं ओर नहीं। सूर्य, जो कि हर आकाशीय गणना का मूल है, उसी को विदेशियों ने गौण कर दिया। अंग्रेजी के ये शब्द संस्कृत के उस वास्तविक अर्थ को इंगित नहीं करते। आरोहणम् मार्तण्डस्य यानि सूर्य का आरोहण (चढ़ाव) तथा पतनम् मार्तण्डस्य यानि सूर्य का ढलाव। बारह बजे के पहले सूर्य चढ़ता रहता है यानी 'आरोहनम मार्तण्डस्य' (AM) तथा बारह बजे के बाद सूर्य का अवसान/ ढलाव होता है यानी 'पतनम मार्तण्डस्य' (PM)।

पश्चिम के प्रभाव में रमे हुए और पश्चिमी शिक्षा पाए कुछ लोगों का कहना है कि समस्त वैज्ञानिकता पश्चिम जगत की देन है। जबकि हमारे ऋषि-मुनियों की हजारों साल की शोध व तपस्या से समृद्ध विरासत, परंपराए और संस्कृति का पालन करते हुए भी आधुनिक और उन्नत हुआ जा सकता हैं। इस पर हम गौरव की अनुभूति करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से समाजजनों को CA बनने तथा राजकीय सेवाओं में चयनित होने पर हार्दिक बधाई

नवरत्न मारवाल
CA

हिना कुमावत
मुम्बई CA

आदित्य कुमावत
CA

सुनील घासोलिया
CA

मनीषा कुमावत
CA

दीपक कुमावत
पायलट

प्रियंका कुमावत
असिसटेन्ट प्रोफेसर

मोनिका कुमावत
सहायक सांख्यिकी अधिकारी

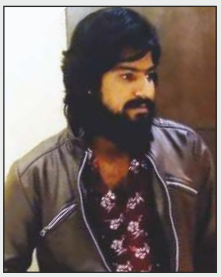

लोकेश कुमावत
सहायक सांख्यिकी अधिकारी

नरेश कुमावत
चिकित्सा अधिकारी

धनन्जय कुमावत
चिकित्सा अधिकारी

श्रीमती रेनु एवं श्री चेतन कुमावत
को
25वीं वैवाहिक वर्षगांठ
5 फरवरी
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

शुभेच्छुः

भारती -रमेश तोंदवाल
सचिव- कुमावत इंडिया पत्रिका
मो. : 9414810584

नीतू - पवन गैदर
जिला कार्यकारिणी सदस्य, ओबीसी मोर्चा,
जयपुर शहर मो. : 8949602863

ऊषा-संदीप कुमावत
मंत्री, ओबीसी मोर्चा, महेश नगर मण्डल-
जिला कार्यकारिणी सदस्य, ओबीसी मोर्चा,
जयपुर शहर मो. : 9351214004

विज्ञापन

कुमावत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान

ज्योति शिक्षण सस्थान, उदयपुर के विवेकानन्द सभागार में कुमावत समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह-2022 मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंकज जालवार ने की। आर्थिक ट्रस्ट कि ओर से सोहन लाल मंडलिया व संयोजक गिरधारी लाल कुमावत थे। सरस्वती वन्दना डॉ. आरती कुमावत ने की, स्वागत, उद्बोधन एवं अतिथि परिचय संयोजक गिरधारी लाल कुमावत द्वारा दिया गया।

समिति वर्ष 1997 से छात्रों का लगातार सम्मान कर रही है, समिति का मुख्य उद्देश्य समाज के विद्यार्थियों को शिक्षा व खेलकूद के क्षेत्र में प्रोत्साहन देना, जरूरतमंद महिलाओं को आर्थिक सहायता देना व समाजजन जिनकी वर्तमान सत्र में राजकीय सेवा से गौरवमयी सेवानिवृति प्राप्त हुई है, का सम्मान करना है।

प्रतिभा अध्यक्ष डॉ. रवि टांक ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे समाज की बालिका शिक्षित होगी तो वह दो परिवारों को शिक्षित करेगी। जिस प्रकार कुमावत समाज बालिका शिक्षा पर समितियों द्वारा जो कार्य कर रही है वह प्रशंसनीय है जिससे बालिका व बालक अपने सपनों को साकार करेंगे।

कार्यक्रम अध्यक्ष पंकज जालवार ने अपने उद्बोधन में सकारात्मक सोच व दृढ़निश्चय के साथ आगे बढ़ने के लिये समाज कि महिलाओं एवं विद्यार्थियों को प्रेरित किया एवं इस प्रकार के आयोजन हेतु समिति सदस्यों की प्रशंसा की।

सभी प्रतिभाओं को अंशुल स्मृति में जितेन्द्र तुनीवाल द्वारा प्रतीक चिन्ह भेंट किये गये। कक्षा 10वीं व 12वीं के टॉपर्स को अनन्तराम झालवार ट्रस्ट की ओर से कुल 04 विद्यार्थियों को उपहार भेंट किये गये।

सैकण्डरी से उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम की 60 प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया साथ ही समाज के इस वर्ष सेवानिवृत्त कुल 04 समाजबन्धुओं को शॉल, उपरणा एवं श्रीनाथ जी की तस्वीर से सम्मानित किया गया।

....शेष पृष्ठ 19 पर

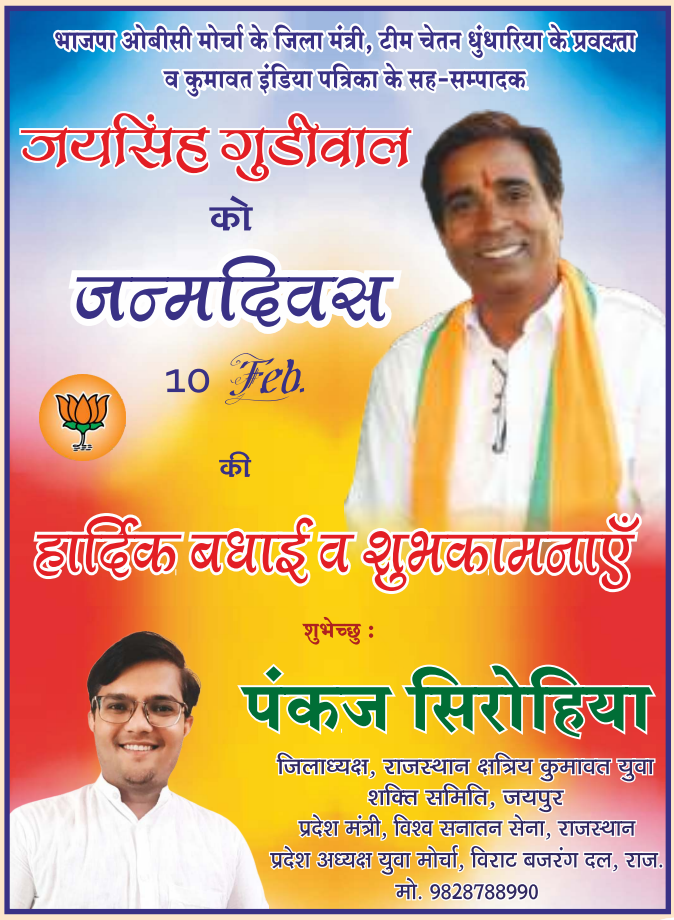

विज्ञापन

बसंत पंचमी पर्व

इस बार 26 जनवरी, 2023 को **गणतंत्र दिवस** के साथ-साथ **बसंत पंचमी** पर्व भी है। पाठकों को इन उत्सवों की हार्दिक बधाई।

माघ शुक्ल पंचमी को विद्या व संगीत की देवी माँ सरस्वती की पूजा का विधान है। इसे ऋषि पंचमी तथा रंग पंचमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन पीले वस्त्र व पीले आभूषण धारण कर पीले पुष्पों से पूजा की जाती है। पीला रंग ज्ञान, विद्या तथा खुशियां व्याप्त करता है।

माँ सरस्वती का जन्म बसंत पंचमी को होना माना गया है, जो चतुर्भुजी देवी है। जिनके एक हाथ में वीणा, दूसरे में पुस्तक, तीसरे में एक माला तथा चौथा हाथ वरदान मुद्रा में है। कहा गया है कि सृष्टि के सृजन करने के बाद ब्रह्माजी संतुष्ट नहीं हुए, उन्हें लगा कि कुछ कमी रह गई है, कारण था चारों ओर शांत व मौन वातावरण। तब उन्होंने विष्णु जी से इस बारे में विचार-विमर्श किया। तब विष्णु जी ने माँ आदिशक्ति का आह्वान कर बुलाया और इस समस्या का निवारण करने को कहा। माँ-दुर्गा ने तब शरीर से श्वेत रंग का तेज उत्पन्न किया, उससे एक दिव्य देवी सरस्वती प्रकट हुई। तब देवी सरस्वती ने पृथ्वी के वातावरण में हलचल, वायु प्रवाह तथा वीणा से संगीत उत्पन्न किया। माँ सरस्वती को देवों ने वीणा देवी कहा, इन्हें वागीश्वरी, भगवती, शारदा, वीणा वादिनी और वाग्देवी भी कहा जाता है।

प्रकृति का दिव्य रूप : बसंत ऋतु के आगमन पर प्रकृति का कण-कण खिल उठता है। शीत ऋतु समाप्त हो जाती है और नई उमंग तथा नई चेतना का संचार होता है। पेड-पौधों पर नई कोपल खिल उठती है, खेत-खलिहानों में सरसों के पीले रंग से धरती आच्छादित होकर खुशियां बिखेर देती हैं। इन्हें देखकर स्वर्ग सी सुन्दरता का आभास होता है, किसानों के चेहरे खिल उठते हैं तथा जीव जन्तु, पशु, मानव तथा वृक्षादि उल्लास से भर जाते हैं।

....शेष पृष्ठ 19 पर

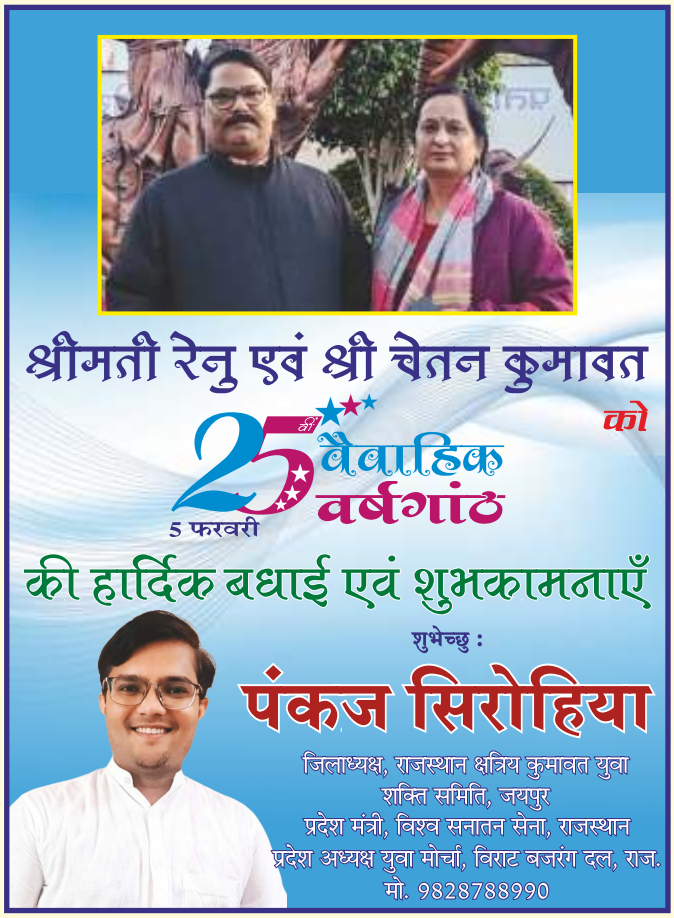

विज्ञापन

बाबू शोभाराम जी की 129वीं जयंती समारोह मनाया

मत्स्य प्रदेश के प्रथम प्रधानमंत्री स्वतंत्रता सेनानी राजस्थान पीसीसी पूर्व अध्यक्ष बाबू शोभाराम जी की 129 वीं जयंती समारोह 7 जनवरी को ट्रस्ट के जयपुर मुख्यालय में पूर्व अध्यक्ष RPSC श्री एम एल कुमावत (IPS Rtd.) की अध्यक्षता व शिल्प एवं माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष (राज्य मंत्री) श्री डूंगरराम गेदर के मुख्य आतिथ्य में मनाई गई। कार्यक्रम में बाबूजी के चित्र पर उपस्थित लोगों ने माला व पुष्प चढ़ाये।

इस अवसर पर ट्रस्ट अध्यक्ष एम एल कुमावत ने कहा कि बाबू जी के विचारों और सिद्धांतों को वर्तमान युवा पीढ़ी को आत्मसात करना चाहिए जिससे युवा पीढ़ी आगे आकर समाज में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। उपाध्यक्ष व शिक्षाविद आर डी वर्मा, सचिव एडवोकेट सुरेंद्र लाम्बा, सह-सचिव एडवोकेट रामप्रकाश कुमावत राजस्थानी फिल्म निर्माता चिरंजी कुमावत, श्रीमती इंदिरा सुपुत्री बाबू शोभाराम जी, डॉ. सुभाष देवर्थ, विनोद जालप, हीरालाल कुमावत, कुलदीप कुमार आदि उपस्थित रहे। आगामी विधानसभा चुनावों में समाज की भागीदारी पर अभी से रणनीति बनाने पर विचार किया गया। श्री डूंगरराम गेदर ने कहा कि हमें बाबूजी के पदचिन्हों पर चलते समाज में पिछड़े वर्ग के लोगों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए, ऐसे लोगों को शिक्षा में मदद कर समाज व देश की भागीदारी के लिए आगे लाना चाहिए। आर डी वर्मा, सुरेंद्र लांबा और रामप्रकाश मारोठिया एडवोकेट ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बाबू जी की पुण्यतिथि 22 व 23 मार्च 2023 को प्रदेश स्तरीय प्रशिक्षण अधिवेशन रखने के लिए ट्रस्ट की आगामी मीटिंग में विचार करने का प्रस्ताव पास किया गया। एडवोकेट राम प्रकाश कुमावत ने पधारे हुए महानुभाव का आभार व्यक्त किया।

बाबू शोभाराम के जीवन पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन

बाबू शोभाराम आर्ट कॉलेज, अलवर में उनके जीवन पर फोटो प्रदर्शनी का आयोजन डा. महेश गोठवाल तथा प्रिसिंपल लवीना व्यास के प्रयासों से किया गया। इस अवसर पर अजय वर्मा भी उपस्थित थे।

बधाई

ओमप्रकाश घोड़ावड़ कुमावत समाज ट्रस्ट रजि. सूरत के अध्यक्ष मनोनीत।

बद्री नारायण कुमावत विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र, जयपुर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त

भीलवाड़ा डेयरी अध्यक्ष गोपाल कुमावत (परासौली सरपंच) नियुक्त।

महाशिवरात्रि पर विशेष

फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को शिव-पार्वती के विवाह की रात्रि मानी जाती है। इस दिन शिव भक्त '**बम बम भोले ...**' और '**ओम नमः शिवाय...**' के जयघोष करते हुए भगवान शिव की आराधना, पूजा, अभिषेक, भजन, मंत्र, जप आदि करते हैं। शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है जहां शिव का जलाभिषेक धतुरे व आक के पुष्पों की माला अर्पण, बील्व पत्रों से पूजा की जाती है तथा रूद्राक्ष की माला से शिव का जाप कर उन्हें प्रसन्न किया जाता है।

याद रखें, पूजा में केतकी के फूल निषेध माने गये हैं। शिव की आधी परिक्रमा ही की जाती है। जलहरि से जल के प्रवाह को सोम सूत्र कहते हैं परिक्रमा में वहां से चलकर नंदी के पीछे तक जाया जाता है और वापस लौटकर आ जाते हैं। शिव आराधना में त्रिपुंड धारण व भस्म लेपन किया जाता है। भक्त इस दिन व्रत रखते हैं तथा कई भक्त तो फलाहार ही करते हैं।

शिवरात्रि पूजा से विवाहित महिलाओं को वैवाहिक आनन्द और समृद्ध पारिवारिक जीवन की प्राप्ति होती है वहीं अविवाहित युवतियां शिव समान आदर्श पति मिलने की कामना करती है।

किवदंति : यह भी कहा जाता है कि समुद्र मंथन के दौरा उसमें विष कलश भी निकला जो समस्त ब्रह्माण्ड को नष्ट करने की शक्ति रखता था। ब्रह्माण्ड को बचाने के लिए शिव ने इसे पी लिया ओर उनका कंठ नीला हो गया। इस विष के प्रभाव से बचने के लिए उन्हें सारी रात्रि जागना पड़ा और देवता उन्हें लगातार जगाते रहने के लिए नाचते रहे जब तक कि विष का प्रभाव रहा। तब से इस रात्रि को महाशिवरात्रि के रूप में मनाया जाने लगा।

शिव के 12 ज्योतिर्लिंग : इन ज्योतिर्लिंगों की जीवन में यात्रा कर दर्शन करना शुभ व लाभदायक माना गया है:-

1. सोमनाथ-वेरावल, गुजरात, 2. मल्लिकार्जुन-श्री शैलम, आंध्रप्रदेश, 3. महाकालेश्वर-उज्जैन, मध्यप्रदेश, 4. ओंकारेश्वर-मांधाता, मध्यप्रदेश, 5. केदारनाथ-उत्तराखंड, 6. भीमाशंकर -पुणे, महाराष्ट्र, 7. भगवान काशी विश्वनाथ-वाराणसी, उ.प्र., 8. त्र्यंबकेश्वर -नासिक, महाराष्ट्र, 9. वैद्यनाथ -देवघर, झारखंड, 10. नागेश्वर-द्वारका, गुजरात, 11. रामेश्वरम-कन्याकुमारी, तमिलनाडु, 12. घृष्णेश्वर-औरंगाबाद, महाराष्ट्र।

- **शोभिका कुमावत,** सवाई माधोपुर

बसंत पंचमी पर्व... **...पृष्ठ 17 से आगे**

ऐतिहासिक महत्व : ऋग्वेद में भगवती सरस्वती का वर्णन परम चेतना के रूप में किया गया तथा बुद्धि की संरक्षिका बताया गया। **पुराण** के अनुसार श्री कृष्ण ने बसंत पंचमी के दिन सरस्वती की आराधना करने का वरदान दिया था। **त्रेतायुग** में इस दिन शबरी के आश्रम में श्रीराम ने उनके झूठे बेर खाये थे। **सिक्खो** के 10वें धर्मगुरु गुरु गोविन्द सिंह का विवाह बसंत पंचमी को हुआ था। **कूका पंथ** के गुरु रामसिंह कूका का सन् 1816 में बसंत पंचमी को लुधियाना के भेणी गांव में जन्म हुआ था। **राजाभोज** का जन्म भी बसंत पंचमी को हुआ। **भगवत गीता** में कृष्ण ने कहा कि ऋतुओं में श्रेष्ठ बसंत, मैं हूँ। **कामदेव** का जन्म भी बसंत पंचमी को माना गया है।

वैदिक काल में बसंत पंचमी को विद्वान व गुरुकुलादि एकत्र होते थे। वे माँ सरस्वती की आराधना, यज्ञ व पूजा करते थे। वे स्नातक ब्रह्मचारियों को दीक्षांत समारोह में वसु, रूद्र तथा आदित्य नामक उपाधि से विभुषित करते थे। इस दिन से बच्चों को शिक्षा प्रारम्भ कराना उचित माना गया है। इस दिन सरसों के पीले फूलों से बंदरवार बनाकर पूजाघर के द्वार पर बांधी जाती है। इस दिन माँ सरस्वती की पूजा से बुद्धि कुशाग्र होती है, **विद्या धनं सर्व धनं प्रधानम** होता है। बसंत पंचमी के शुभ दिन विवाह, भवन निर्माण आदि मांगलिक कार्य करना श्रेष्ठ माना गया है तथा इसे अबूझ सावा मानते हैं। इस प्रकार बसंत पंचमी का हिन्दु मान्यताओं में श्रेष्ठ स्थान है।

- **रमेश गैदर**

कुमावत समाज की प्रतिभाओं का सम्मान **...पृष्ठ 16 से आगे**

कार्यक्रम में ज्योति शिक्षण संस्थान के 50 वर्ष पूर्ण होने पर संस्थान के संस्थापक जी. एल. कुमावत व संस्थापिका श्रीमती मधु कुमावत को प्रतिभा सम्मान समारोह समिति कि ओर से श्रीमान् जी.एस.टांक महापौर उदयपुर द्वारा प्रशस्ति पत्र, हरिशंकर खंडारिया द्वारा उपरणा, सोहन मडलीया द्वारा शॉल ओढ़ाकर से सम्मानित किया गया।

क्षत्रिय कुमावत ट्रस्ट द्वारा जरूरतमंद महिलाओं को 7-7 हजार रूपये का अनुदान दिया गया ।

कार्यक्रम में बी.एल. कुमावत, ओम टांक, डॉ. रजनीश कुमावत, नन्दलाल कुमावत, अरूण अजमेरा, भगवान लाल सडुंदिया, हरिश ईठारा, पंकज जालवार, राजेन्द्र तुनीवाल, गोपाल जलांधरा पन्नालाल सरिया, जितेन्द्र आर्य, मनीष कुमावत आदि समाजबन्धुओं की सेवाएं रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ आरती कुमावत द्वारा किया गया तथा आभार व धन्यवाद डॉ रजनीश कुमावत द्वारा व्यक्त किया गया।

- **जी.एल कुमावत,** प्रतिभा सम्मान समारोह समिति, कुमावत समाज, उदयपुर नगर

आमदनी का जरिया कैंचुआ प्लांट

कृषि उत्पादन को बढाने के लिए वर्षों से अनेक प्रकार के रासायनिक खादों का उपयोग किया जा रहा है, जिसके परिणाम स्वरूप खाद्यानों के उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है, परन्तु इसके उपयोग से दुष्परिणाम भी हमारे सामने आये है। उदाहरण के लिए खाद्य पदार्थो में स्वाद की कमी आना तथा कृषि भूमि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। ऐसे में वर्मी कंपोस्ट खाद को बेहद उपयोगी माना गया है।

वर्मी कंपोस्ट खाद क्या है: पशुओं के गोबर, पेड- पौधों के पत्तों को खाकर कैंचुओं द्वारा मल के रूप में जो अपशिष्ट पदार्थ निकलता है उसे वर्मी कंपोस्ट खाद कहते है। यह खाद फल, सब्जियों व फसलों के लिए प्राकृतिक खाद होता है।

रासायनिक खाद एंव वर्मी कंपोस्ट खाद में अन्तर

रासायनिक खाद काफी महगें होते हैं जबकि वर्मी कंपोस्ट खाद सस्ता होता है। रासायनिक खाद प्रदूषण बढ़ाता है, वर्मी कंपोस्ट खाद प्रदूषण नहीं बढ़ाता है। रासायनिक खाद किसान स्वयं तैयार नहीं कर सकता है, वर्मी कंपोस्ट खाद को आसानी से किसान तैयार कर सकता है। रासायनिक खाद से फसलों व फलों के स्वाद में कमी आती है, वर्मी कंपोस्ट खाद के उपयोग से स्वाद व आकार में वृद्धि होती है। रासायनिक खाद को पानी की आवश्यकता अधिक होती है, वर्मी कंपोस्ट खाद को पानी की आवश्यकता काफी कम होती है

वर्मी कंपोस्ट खाद कैसे तैयार किया जाता है: जगह को समतल कर उस जगह पानी नही भरें, थोड़ा ढलान देकर करीबन बीस-तीस फिट लम्बी एंव चार फिट चौड़ा एक वर्मी कंपोस्ट बेड बनाया जाता है, जो जगह के अनुसार कितने भी बनाये जाकर खाद तैयार किया जा सकता है। यदि व्यक्ति के पास जगह की कमी हो तो छोटे स्तर पर वर्मी कंपोस्ट खाद तैयार किया जा सकता है। आजकल बाजार में बने-बनाये कम्पलीट वर्मी कंपोस्ट बेड मिलते है जो करीबन 12-14 फिट लम्बे 4 फिट चौड़े व 2 फिट ऊंचे होते है। ये वर्मी कंपोस्ट बेड सर्दी, गर्मी व बारिस में खराब नही होते है। इनको घर, गार्डन, छत आदि छोटे स्थानों पर लगाया जा सकता है। एक वर्मी कंपोस्ट बेड में सर्व प्रथम घास व पेड़-पौधों के पत्ते बिछाते है फिर करीबन 1200-1500 किलो तक गोबर को ठंडा कर उसमें डालकर उनके ऊपर करीबन 20-25 किलो कैचुओं को छोडा जाता है, उसके उपरान्त इनके ऊपर घास फूस व पत्तों से या जूट की बोरी से ढका जाता है ताकि कैंचुए गोबर को ऊपर की ओर से खाते हुये नीचे की ओर जाए। वर्मी कंपोस्ट बेड पर तिरपाल व अन्य साधनों से छाया की जाती है। नमी बनी रहें इसके लिए मौसम के अनुसार 3-4 दिन में पानी का छिड़काव करते रहना है। ध्यान रहें ज्यादा पानी नहीं डाले अन्यथा कैंचुए मर जायेगें। पहला खाद लगभग 70 दिन में व दूसरी बार 40-45 दिन में तैयार होगा उदाहरण के लिए देखा जाये तो एक वर्मी कंपोस्ट बेड में करीबन 500-600 किलों खाद प्राप्त होता है, जो मार्केट में 10-15 रूपये किलों बेचा जाता है, कैंचुए में भी 70 दिन में 40-45 किलों तक की वृद्वि हो जाती है, जिन्हें मार्केट में बेचा जा सकता है। मार्केट में कैंचुए 200-400 रूपये किलों तक बेचे व खरीदें जाते है। कैंचुओं को कृषि विज्ञान केन्द्र व प्राईवेट नर्सरी से खरीदा व बेचा जा सकता है।

वर्मी कंपोस्ट खाद के लाभ: फलों, सब्जियों (अनाज) के लिए स्वाद, फल सब्जियों के आकार एंव उसके उत्पादन में काफी वृद्वि होती है। कृषि कार्य में पानी की काफी बचत होती है। गोबर, पेड-पौधों का कचरा आदि कैंचुओं का भोजन होता है जिससे गंदगी खत्म होती है।

फाइनेंस सुविधा मिलती है: खादी ग्रामोघोग बोर्ड, वित्तीय सहायता देता है तथा 30 प्रतिशत तक छूट (सब्सिडी) दिलाता है। सहकारी भूमि विकास बैंकों से लोन उपलब्ध कराया जाता है।

प्रशिक्षण: कई गैर जैविक कृषि अनुसंधान केन्द्र इसका प्रशिक्षण प्रदान करते है साथ ही कैंचुओं को पालने का प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

वर्मी कंपोस्ट का विक्रय: जैविक खाद अब काश्तकारों को सहकारी संस्थाओं के माध्यम से भी विक्रय किया जाने लगा है। आज हर वस्तु की ऑनलाईन खरीद व बिक्री की जा रही है, उसी प्रकार वर्मी कंपोस्ट खाद का भी ऑनलाईन क्रय-विक्रय किया जा सकता है।

- रवि कुमार कुमावत, सांगानेर, जयपुर
पूर्व अनुभव वर्मी कंपोस्ट प्लांट संचालन

बजाज के शोरूम पर बजाज की नई पल्सर P150 : चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष ने की लॉन्च

बजाज की नई पल्सर P 150 को टोंक रोड़ स्थित जे.एम.बजाज शोरूम पर लॉन्च किया। जिसका अनावरण चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर ने किया। इस बाइक को दो वैरिएंट्स में पेश किया गया है। शोरूम मैनेजर महक कुमावत ने बताया कि बाइक की खास बात यह है कि यह बिल्कुल नए डिजाइन में उपलब्ध है और युवाओं को पसंद आ रही है। साथ ही 5 कलर ऑप्शन दिये गये हैं। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद राजेश कुमावत, अर्जुन राठौड यू ट्यूबर, रितेश शर्मा जनरल मैनेजर, जयसिंह कुमावत जिला मंत्री ओबीसी मोर्चा, संदीप कुण्डलवाल व नीतू गैदर, खेमचंद खडगटा, सौभागमल आदि लोग उपस्थित थे।

यूं बनाए सूजी ढोकला

ढोकला खाने में स्वादिस्ट और स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है। बच्चों से लेकर बडों तक सबको ये पसन्द आता है। सुबह-शाम नास्ते में हरे धनियां व मीठी चटनी के साथ लेना पसन्द करते है।

घोल के लिए सामग्री : 1 कप सूजी, 1 कप खट्टा दही, 1 कप पानी, 1 टीस्पून इनो पाउडर, 2 चम्मच तेल, नमक स्वादानुसार।

तडका लगाने के लिए सामग्री : 1 टेबलस्पून तेल, 1 टीस्पून राई, 1 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, कड़ी पत्ते 6-7, हरा धनियां थोड़ा सा कटा हुआ।

विधि : सबसे पहले एक बरतन में सूजी डाले फिर उसमें दही, नमक और पानी डालकर अच्छे से घोल को मिलाये। ध्यान रखें की घोल में गुठले न पडें। अब इसे आधा घण्टें के लिए छोड दे। अब कूकुर ले उसमें दो गिलास पानी डालें और लोहें का स्टेण्ड रखे और प्री-हीट करें। घोल में इनो पाउडर डालकर हिलाए, एक ट्रे या थाली ले जो कुकर में आसानी से आ जाये उसमें चिकनाई के लिए नीचें व चारों और तेल लगाये ताकि ढोकला चिपके नही। अब पानी प्री-हीट होने पर थाली को स्टेण्ड पर धीरे से रख दें। इसके बाद कूकर की सीटी निकाल कर ऊपर से ढक्कन लगा दें। करीबन 20 मिनिट बाद ढक्कन हटाये और ढोकलें में चाकू लगाकर देखें। चाकू पर यदि ढोकला चिपकता है तो वापस ढक्कन लगाकर पकाये और यदि चाकू पर ढोकला नहीं चिपका तो आपका ढोकला तैयार है। अब तैयार किये हुये ढोकले को चौकोर या मन चाहे आकार में काटकर एक बरतन में रखें। अब तडका लगाने के लिए एक छोटे पैन में एक चम्मचा तेल का डालें और गरम होने दे। गरम होने पर इसमें राई डालें फिर हरी मिर्च, कड़ी पत्ते डालकर भूने और गैस बन्द कर दें। अब कटे हुये ढोकलें पर तडका डालें और हरे धनियें से गार्निश करें । लीजिए ढोकला तैयार है। इसे हरें धनियें या मीठी चटनी के साथ परोसियें। हल्का-फुल्का स्वादिष्ट नाश्ता सभी को पसंद आएगा।

सुझाव : इनो सादा फ्लेवर का उपयोग करें । इनो डालने के तुरन्त बाद ही घोल को फेट कर तुरन्त ही थाली में डालकर कुकर में रखें अन्यथा ये स्पंजी नही बन पायेगा। मध्यम आंच पर ही भांप में पकायें। -**राजबाला कुमावत,** बी.ए. इन होम साइंस, रामद्वारा कॉलोनी सांगानेर,जयपुर।

हरी सब्जियां खाये : सेहत बनाये

हरी सब्जियां हमारे शरीर में इम्यूनिटी बढ़ाती हैं तथा पाचनतंत्र को ठीक रखती हैं। विशेषकर सर्दियों के मौसम में हरी सब्जियों का उत्पादन अधिक होता है तथा सर्दियों में इन्हें खाना हमारे स्वास्थ्य के लिए अधिक लाभदायक होता है। आइये, जाने किन सब्जियों के खाने से क्या-क्या फायदे होते हैं—

बथुआ : अनेक पोषण तत्वों से भरपूर बथुआ हमारे पेट के हर रोग एवं हड्डियों के लिए फायदेमंद होता है। इसमें विटामिन-ए, पोटेशियम, कैल्शियम तथा फाइबर की प्रचूर मात्रा होती है। यह खून को साफ करता है, गैस व कब्ज दूर करता है, पेट के कीड़ों का नाशक है,चर्मरोग, सफेद दाग, खाज, खुजली, फोड़े, कुष्ट रोग आदि दूर करता है। इसमें उपस्थित न्यूट्रिशन मौसमी बीमारियों से हमारी रक्षा करता है। बथवे को उबालकर इसका पानी छानकर पीया जा सकता है। इसका सेवन दही का रायता बनाकर तथा इसकी कढ़ी बनाकर भी किया जा सकता है जो स्वाद से भरपूर होता है।

मेथी : हरी मेथी सर्दियों की उपज होती है। इसका साग बनाकर सेवन करने पर मौसमी बीमारियों के अलावा यह पाचनतंत्र को भी ठीक रखता है। डायबिटीज तथा हृदय रोगियों को भी मेथी का सेवन करना बताया जाता है। इसके सेवन से त्वचा रोग, कॉलेस्ट्रोल नियंत्रण, वजन नियंत्रित करने तथा त्वचा व बालों के लिए तथा कमर दर्द में फायदेमंद बताया जाता है। इसकी सब्जी खाने से भूख बढ़ती है। मधुमेह रोगी, दानामेथी बारीक पीसकर इसे पानी में भिगो दें तथा 12 घण्टे बाद छानकर व पानी मिलाकर पीयें तो लाभ होता है।

चौलाई : सर्दियों के सीजन की यह हरी सब्जी कैल्शियम, विटामिन-ए, आयरन, प्रोटीन तथा कार्बोहाइड्रेट जैसे तत्वों से भरपूर है। इसका सेवन रक्त की कमी को दूर करता है, त्वचा, पेट व बालों के लिए फायदेमंद है तथा उच्च रक्तचाप को नियंत्रित करता है। नवजात शिशुओं की माँ में दूध की उपलब्धता बढ़ाता है एवं यूरिन संक्रमण को ठीक करता है। इसका साग भूख बढ़ाता है। कहा गया है कि इसमें सोना (Gold) होता है जो स्वास्थ्यवर्धक है।

सरसों : सर्दियों में हरी सरसों की उपलब्धता रहती है, इसका साग का सेवन करने से मेटाबाल्म्मि ठीक करता है, आँखों की रोशनी बढ़ाता है, डायबिटीज रोग में अत्यन्त लाभकारी है, अस्थमा व गठिया में फायदेमंद है साथ ही कैंसर की रोकथाम भी करता है। स्वाद व सेहत के लिए गुड़ व मक्का की रोटी के साथ इसका सेवन किया जाता है। इसमें विटामिन (ए, बी 12, सी, डी) मैगनीशियम, कैल्शियम, पोटेशियम तथा फाइबर पाया जाता है।

नोट : रोगी इनका सेवन डॉक्टर से परामर्श करके ही करें।

संकलन - भारती तोंदवाल

वास्तु की दिशाएं बदलेंगी आपकी किस्मत

वास्तु शास्त्र में दिशाओं का विशेष महत्व है। हर चीज को घर और ऑफिस में दिशा के हिसाब से रखने से ही सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहता है। वास्तु की इन आठों दिशाओं पूर्व, पश्चिम, उत्तर, दक्षिण दिशा के साथ ही घर और ऑफिस के ब्रह्म स्थान के वास्तु का भी जीवन में विशेष प्रभाव रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कोई भी दिशा पूर्णत: अशुभ नहीं होती है और दिशाओं का जीवन पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों ही तरीके से प्रभाव पड़ता है। आइए, वास्तु की इन सभी आठों दिशाओं के विषय में जानते हैं-

पूर्व दिशा- पूर्व दिशा का स्वामी ग्रह सूर्य है और इसे देवताओं की दिशा माना जाता है। इस दिशा में पूजा-पाठ करने से सुख-समृद्धि आती है। शिक्षा से जुड़े कार्यों को करने के लिए यह दिशा बेहद शुभ मानी जाती है। विद्यार्थियों को इस दिशा में सोना और पढ़ना उपयुक्त रहता है। पॉजिटिव एनर्जी के लिए पूर्व दिशा में घर का दरवाजा या खिड़की होनी चाहिए। पूर्व दिशा को हल्का एवं साफ सुथरा बनाकर रखें। पूर्व दिशा के दूषित होने पर पिता से विरोध, सरकार और सरकारी नौकरी में परेशानी, मानसिक दुर्बलता, सिर दर्द, नेत्र और हृदयरोग के साथ ही प्रमोशन आदि में परेशानी की संभावना बनी रहती है। पूर्व दिशा को बंद करने या फिर दक्षिण-पश्चिम दिशा से अधिक ऊंचा करने से कई बार मान सम्मान को हानि, कर्जे का बने रहना आदि परेशानियां भी देखने को मिल सकती है। यहां सीढ़ियां नहीं बनानी चाहिए। पूर्व दिशा को जागृत करने के लिए घर या ऑफिस की पूर्व दिशा में सूर्य का हस्त निर्मित वैदिक यंत्र अवश्य लगाना चाहिए।

पश्चिम दिशा- पश्चिम दिशा का स्वामी शनि ग्रह है। पश्चिम दिशा में दोष होने पर सरकारी नौकरी और राजनैतिक क्षेत्र में परेशानी, वायु विकार, लकवा, रीड की हड्डी में दर्द, कैंसर, मिर्गी, पैरों की तकलीफ और नपुंसकता आदि की संभावनाएं बढ़ जाती हैं। इस दिशा में प्रबल वास्तु दोष होने से अधिक खर्चे, आय में अक्सर रुकावट, गृहस्थ जीवन के साथ ही व्यापारिक संबंधों में भी परेशानी बनी रहती है। पश्चिम दिशा रसायनिक काम, सुपरमार्केट, गैराज और मैकेनिक की शॉप के लिए उपयुक्त मानी जाती है। इस दिशा में भारी सामान और भारी निर्माण किया जा सकता है। पश्चिम दिशा को जागृत करने के लिए आपको अपने घर या ऑफिस की पश्चिमी दीवार पर शनि का हस्तनिर्मित वैदिक यंत्र स्थापित करना चाहिए।

उत्तर दिशा- उत्तर दिशा का स्वामी बुध ग्रह है। इस दिशा के देवता धन के स्वामी कुबेर है और यह जलीय तत्व की दिशा है। उत्तर दिशा में वास्तु दोष होने से विद्या, बुद्धि और याददाश्त में कमी, मिर्गी, उन्माद के साथ ही वाणी दोष, मतिभ्रम, उच्च शिक्षा में रुकावट, व्यवसाय में हानि, व्यर्थ के खर्चे और आर्थिक परेशानी, शंकालु स्वभाव, माता के स्वास्थ्य में भी गिरावट देखने को मिल सकती है। उत्तर दिशा में घर के खिड़की, दरवाजे, बालकनी, दीवार घड़ी और मुख्य द्वार का होना शुभ माना जाता है। उत्तर दिशा को हल्का और साफ बना के रखना चाहिए साथ ही उत्तर दिशा को जागृत करने के लिए घर और ऑफिस की उत्तर दिशा की दीवार पर बुध का हस्तनिर्मित वैदिक यंत्र अवश्य स्थापित करना चाहिए।

दक्षिण दिशा - दक्षिण दिशा का स्वामी ग्रह मंगल है और इसे यम की दिशा भी कहा जाता है। यह अग्नि तत्व की दिशा भी है। इस दिशा में दरवाजे, खिड़कियां या बहुत ज्यादा खुला रखने पर शारीरिक कष्ट, रोग और मानसिक परेशानियां हो सकती हैं। दक्षिण दिशा में प्रबल वास्तु दोष होने से गृह स्वामी को कष्ट, भाइयों में कटुता, रक्तचाप, फोड़े-फुंसी, क्रोध की अधिकता और दुर्घटनाओं की संभावनाएं भी बढ़ जाती है। दक्षिण दिशा में भारी सामान, बड़े पेड़, कारखाने, बिजली और आग से संबंधित व्यवसाय और कार्यों के लिए उपयुक्त मानी जाती है। दक्षिण दिशा कुंडली का दशम घर है और मंगल के पराक्रम वाली दिशा है। इस दिशा में किराना स्टोर, होटल, रेस्टोरेंट आदि का व्यवसाय काफी अच्छा चलते हुए देखा गया है। दक्षिण दिशा को जागृत करने के लिए आपको अपने घर और ऑफिस में मंगल ग्रह का हस्त निर्मित वैदिक यंत्र अवश्य स्थापित करना चाहिए।

ईशान दिशा- घर के उत्तर-पूर्व के कोण को ईशान दिशा कहते हैं। इस दिशा के स्वामी बृहस्पति और इस दिशा में जल व भगवान शिव का भी स्थान है। ईशान कोण में बोरिंग, स्विमिंग पूल, पूजा स्थल, मटका रखना, वाटर टैंक और घर का मुख्य द्वार शुभ माना जाता है। ईशान दिशा के दूषित होने पर पूजा- पाठ, देवता, गुरु और बड़ों के प्रति आस्था में कमी, आय के साथ ही संचित धन में कमी, विवाह में देरी, उदर विकार, कब्ज, अनिद्रा आदि की संभावना बनी रहती है। ईशान कोण में अधिक दोष होने से व्यक्ति में संघर्ष की कमी, अस्त-व्यस्त जीवन एवं मानसिक अस्थिरता के साथ ही बुद्धि भ्रमित होने का भी अंदेशा बना रहता है। विवाह के काफी समय बाद भी संतानोत्पत्ति में परेशानी या फिर देरी होती रहती है। इसके साथ ही घर में पुरुष संतान की संख्या भी कम हो सकती है। ईशान दिशा को जागृत करने के लिए घर या ऑफिस के ईशान कोण में ईशान यंत्र अथवा गुरु का हस्तनिर्मित वैदिक यंत्र अवश्य स्थापित करना चाहिए।

वायव्य दिशा- घर के उत्तर-पश्चिम कोण को वायव्य कहा जाता है। इसका तत्व वायु और स्वामी ग्रह चंद्रमा है। वायव्य दिशा में खिड़की, रोशनदान, बेडरूम, गैराज, गौशाला और किचन भी

बनायी जा सकती है। इस दिशा को साफ रखें। वायव्य दिशा दूषित होने पर माता से संबंधों में कटुता, अनिद्रा, शत्रु भय, मानसिक परेशानियां आक्रामकता, स्त्रियों को मासिक धर्म संबंधी परेशानियां, पथरी, अस्थिरता और बेचैनी की संभावना बनी रहती है। इस दिशा को जागृत करने के लिए घर या ऑफिस के वायव्य कोण में वायव्य दोष निवारक यंत्र अथवा हस्तनिर्मित चंद्र यंत्र की अवश्य स्थापना करनी चाहिए।

आग्नेय दिशा- घर के दक्षिण-पूर्व कोण को आग्नेय दिशा के नाम से जाना जाता है। इस दिशा का स्वामी ग्रह शुक्र एवं इसका तत्व अग्नि है। इस दिशा में रसोईघर, गैस, ट्रांसफार्मर, कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक आदि उपकरण को रखना चाहिए। आग्नेय कोण के दूषित होने पर स्त्री सुख में कमी, वाहन से कष्ट, नशे की आदत, श्रंगार के प्रति अरुचि, हर्निया, आग लगने का भय, मधुमेह, धातु एवं मूत्र संबंधी रोग के साथ ही पुरुषों की अपनी कमी से संतानोत्पत्ति में बाधा की संभावना भी बनती है। आग्नेय दिशा को जागृत करने के लिए अपने घर या ऑफिस के अग्नि कोण में आग्नेय यंत्र अथवा शुक्र का हस्त निर्मित यंत्र अवश्य लगाना चाहिए।

नैऋत्य दिशा- घर का दक्षिण-पश्चिम कोण नैऋत्य कहा जाता है। नैऋत्य दिशा का स्वामी ग्रह राहु और इसका तत्व पृथ्वी है। नैऋत्य दिशा में घर के मुखिया का कमरा, अलमारी, सोफा, कैश काउंटर, मशीन, बड़े पेड़, भारी सामान, ऊंची दीवार और सीढियों को उपयुक्त माना गया है। यहां बोर, कुआं, सेप्टिक टैंक, गहरा गड्ढा आदि नहीं होना चाहिए। नैऋत्य दिशा के दूषित होने पर परिवार में आकस्मिक दुर्घटना, मृत्यु, भय, त्वचा और रक्त विकार, मानसिक परेशानियां एवं चरित्र पर लांछन लगने की संभावना बनी रहती है। नैऋत्य दिशा को ऊंचा और भारी रखना चाहिए। नैऋत्य कोंण को व्यवस्थित रखने के लिए घर या ऑफिस के नैऋत्य कोण में हस्त निर्मित वैदिक नैऋत्य यंत्र अथवा राहु का यंत्र अवश्य स्थापित करना चाहिए।

ब्रह्म स्थान- घर के केंद्र या नाभि भाग को ब्रह्मस्थान कहा जाता है। घर या ऑफिस के ब्रह्म स्थान को साफ और हल्का बनाकर रखना चाहिए। ब्रह्मस्थान के दूषित होने पर जीवन में कष्ट, बाधा, तनाव, कलह, सकारात्मक ऊर्जा में कमी, पेट एवं हृदय रोग की प्रबल संभावना बनती है। ब्रह्मस्थान में बहुत भारी सामान रखने या कोई भारी निर्माण करने, गहरा गड्ढा या टैंक आदि होने पर जीवन में कई सारी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ब्रह्मस्थान में दोष होने पर घर या ऑफिस में हस्त निर्मित संपूर्ण वास्तु यंत्र के साथ ही गोमती चक्र से बने स्वास्तिक का अवश्य प्रयोग करना चाहिए।

-डॉ योगेश, ज्योतिषाचार्य, मानसरोवर, जयपुर।
website- www.astrologeryogesh.com

आपका स्वास्थ्य

सर्दी-जुकाम

सर्दी के मौसम में अक्सर हम सर्दी-जुकाम से पीड़ित हो जाते हैं तथा नाक से पानी आना, छींकें आना तथा ठंड लगना स्वभाविक है। इसका उपचार करने के लिए 'घरेलू चिकित्सा' (द्वारा श्रीराम शर्मा आचार्य) में अनेक उपाय बताए हैं जिसका उपयोग कर सर्दी-जुकाम शीघ्र ठीक किया जा सकता है। ये उपाय निम्न प्रकार हैं-

- दही में सफेद बूरा मिलाकर प्रातःकाल पीना चाहिए।
- अदरक का रस और शहद छह-छह माशा लेकर चाटना चाहिए।
- कालीमिर्च, सोंठ, छोटी पीपल को बराबर कूट-पीसकर उससे चौगुना गुड़ मिलाकर बड़ी मटर के बराबर गोलियां बना लें, इन गोलियों को गरम पानी के साथ सेवन करें।
- अनार के फल का रस, दूब का रस और गुलाब जल मिलाकर उससे नाक को तर रखने से जुकाम अच्छा हो जाता है।
- उबलते हुए गरम उड़द को नमक मिलाकर भोजन के बाद खावें।
- दालचीनी, तेजपात, इलायची, नागकेशर, बच, वायबिडंग, हींग और काला जीरा बराबर लेकर महीन पीस लें। उस चूर्ण को कपड़े की पोटली में बाँधकर बार-बार सूँघें।
- नौसादर और चूना बराबर लेकर पीसकर शीशी में भर लें, और मजबूत से कार्क लगा लें, इसे चार बार सूघें।
- गेहूँ की भूसी एक तोला, गुलबनफसा एक तोला, काली मिर्च दस मासे-इनको 6 छटांक पानी में पकावें जब 3 छटांक रह जावे, तो छानकर थोड़ी मिश्री मिलाकर गरम-गरम पी लें और कपडा ढक्कर लेटे रहें। इससे पसीना आता है और जुकाम अच्छा हो जाता है।
- सोंठ और पोस्त एक-एक तोले लेकर आधा सेर पानी में पकावें, चौथाई रह जाने पर छान लें, थोड़ा शहर मिलाकर पींवे।
- शक्कर का धुआँ सूँघने से जुकाम चला जाता है।
- गेरू, बेहड़े की गुठली का गूदा, कपूर, पान का रस और बबूल का गोंद बराबर लेकर महीन पीस लें। इसे कपड़े के दो छोटे टुकड़ों पर लेप करके कनपटियों पर चिपका देना चाहिए।
- कद्दू के बीज, पोस्त, अजबायन, कत्था और जावित्री बराबर लेकर अदरक के रस में घोंट लें, इनकी उड़द के बराबर गोली बना लें। ये गोलियाँ चूसें।
- हल्दी 6 माशे, काली मिर्च 1.5 माशा तथा थोड़ा-सा काला नमक आधा सेर पानी में औटावें जब आधा रह जाए तो छानकर गरम-गरम पीवें।
- गरम-गरम भुने चने सूँघें और चबाएँ।
- गुलबनफसा 4 मासे, उन्नाव नग 7, सौंफ 4 माशे, सनाय 6 माशा, मुनष्क्का नग 7, अंजीर नग 3- इन सबको डेढ़ पाव पानी में पकावें। जब आधा पाव रह जावे, तो छानकर तोले भर मिश्री मिलाकर पीवें। इससे पेट भी साफ हो जाता है, और जुकाम भी चला जाता है।

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर
वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास
वि/143 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/146 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

24 दिसम्बर श्री छीतरमल पालड़ीवाल, पाल बिछला
24 दिसम्बर श्रीमती मोहनी देवी धर्मपत्नी श्री रामचन्द्र बालोदिया, फुलेरा, जयपुर
25 दिसम्बर श्री रमेश चन्द्र अजमेरा, बाजणी तलाई, सांगानेर, जयपुर
26 दिसम्बर श्रीमती मंजू देवी धर्मपत्नी फूलचन्द खोराणिया, नीदंड़, जयपुर
26 दिसम्बर श्री हरिनारायण चेजारा (जलिन्द्रा), करघनी, जयपुर
27 दिसम्बर श्री मालचन्द बारावाल, टांकरड़ा, चौमूं, जयपुर
27 दिसम्बर श्री राजेन्द्र प्रसाद दम्बीवाल, ब्यावर, अजमेर
28 दिसम्बर श्रीमती केसर देवी धर्मपत्नी स्व. श्री शंकरलाल सिरसीवाल, अजमेर
29 दिसम्बर श्री लोकेश तुनगरिया, बजरी मण्डी, जयपुर
30 दिसम्बर श्री नाथूलाल होदकासया, झोटवाड़ा, जयपुर
30 दिसम्बर श्री रामचरण किरोड़ीवाल, कालवाड़ रोड, जयपुर

31 दिसम्बर श्री विक्रान्त कारगवाल, ललारपुरा, मानसरोवर, जयपुर
31 दिसम्बर श्री प्रेमाराम बबेरवाल, जयपुर
1 जनवरी श्री जगदीश मारवाल, ब्यावर, अजमेर
1 जनवरी श्री रामलाल बगरानिया, रुनाथपुरी, झोटवाड़ा, जयपुर
3 जनवरी श्री मुन्नालाल तुंगरिया, शंकर पान भण्डार, अजमेर
3 जनवरी श्रीमती रुकमा देवी काचरोदा, फुलेरा
3 जनवरी श्री सपंत माचीवाल सुन्दर नगर, ब्यावर अजमेर
3 जनवरी श्री हनुमान लाल मोरवाल (जोबनेर वाले), रघुनाथपुरी, झोटवाड़ा, जयपुर
6 जनवरी श्री प्रहलाद अजमेरा, श्री देव नगर, चरण नदी, बैनाड़, जयपुर
6 जनवरी श्री सुरेश बबेरीवाल, कुमावत कॉलोनी, ब्यावर, अजमेर
10 जनवरी श्री पूरणमल खूंखवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा, जयपुर
11 जनवरी मीनल कुमावत (मुनमुन) पुत्री रूपनारायण बबेरीवाल, शास्त्री नगर, जयपुर
11 जनवरी श्रीमती नारायण देवी धर्मपत्नी स्व. श्री भवानी शंकर बड़वाील, जयपुर
16 जनवरी श्रीमती माया देवी धर्मपत्नी स्व. डा. नारायण जी राहोरिया, जयपुर
18 जनवरी श्री मोतीलाल जालवाल देव विहार कॉलोनी, स्वेज फार्म, जयपुर
18 जनवरी श्रीमती मीना देवी पत्नी मिश्रीलाल बालोदिया, किसान मार्ग, जयपुर

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
अजय	B.Tech. (Civil)	-	25.2.96	-	किरोड़ीवाल	मारोठिया	राजोरा	दम्बीवाल	7073350302	जयपुर
मयूर	B.Sc.	Ass. manager in MNC	22.2.96	5'7''	मारवाल	माचीवाल	घोड़ेला	मनेठिया	9785152140	भरतपुर
मनीष	M.A., B.Ed.	RS-CIT Center E-mitra	22.06.94	5'7''	खोराणिया	मनेठिया	कोलकरिया	धीजपुरिया	8290707652	शाहपुरा
रामनिवास	M.A., B.Ed.	Kirana Shop	1.4.93	-	खटोड़	खोवाल	धुवारिया	घोड़ेला	9929086838	सीकर
राहुल	Diploma Civil eng.	Civil Enginer in pvt.ltd.	6.9.97	5'8''	किरोड़ीवाल	मारवाल	बड़ीवाल	राहोरिया	9680627309	फुलेरा
रितुराज(तलाकशुदा)	Graduate	Pvt. Job	9.1.91	5'9''	खण्डारिया	कण्डेरीवाल	बासनीवाल	मियाणिया	9314241884	जयपुर
विशाल	Diplo. Mach Engi.	Pvt. Ltd. Company in Bhuj	24.7.95	5'11''	सिंघाटिया	अनावडिया	कारगवाल	कुद्दीवाल	9983768371	जयपुर
कमल	M.Com.	Sr. Executive	3.6.92	5'11''	कारगवाल	देवरथ	धुमूनिया	कण्डरीवाल	7737539661	जयपुर
योगेश	B.A.	Comp. oprator.	1.11.93	5'3''	महरावण्डिया	भाटिया	खोवाल	सिरस्वा	9214834294	निवाई
हरीनारायण	B.A., LLB	Stenographer Pvt.	28.2.99	6'0''	ब्याड़वाल	मारवाल	मामोड़िया	सिरस्वा	7727032530	-
प्रकाश	M.Sc.	KUK Bhilwara	7.5.94	-	मारवाल	संगाठिया	होदकास्या	सिरस्वा	8560951034	जोबनेर
विकास	M.Sc., B.Ed.	Pvt. Sch.	27.5.95	5'10'	उदयवाल	दम्बीवाल	मारवाल	कुसुम्बीवाल	9414236451	दूदू
शुभम	B. Tech.(Comp.S.)	Consultant	14.12.93	5'10''	देवतवाल	मण्डावरा	गैदर	घोड़ेला	9413232761	जयपुर
मनीष	B.Com.	Garment manufacture	13.9.95	5'5''	खण्डारिया	धमुनिया	मामोडिया	घीघोलिया	7976978433	जयपुर
रोहित	B.Com.	Business	21.10.97	6'1''	नीमवाल	सिरस्वा	तूनवाल	घटेलवाल	8209356092	नागालैण्ड
चेतन	B.A., RSCIT	Pvt. Job.	12.9.95	5'8''	भातरा	भरबूटिया	कुदाल	सिरोहिया	9784094594	जयपुर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
निकिता	M.Com. Diplo. in IT	-	1.6.96	5'3''	देवतवाल	मामोडिया	अनावडिया	मारोठिया	9828407048	जयपुर
मनीषा	M.Com. Fas. Des.	Pvt.	8.5.95	5'3''	सारडीवाल	नागा	जोरस्या	घोड़ेला	9214362488	जयपुर
गरीमा	M.A., B.Ed.	Jr. Ass. (Govt.)	20.10.97	5'5''	घोड़ेला	होदकास्या	मारोठिया	तूंदवाल	9828344151	बीकानेर
रितु	B.A.	-	22.10.95	5'6''	दौराया	घोड़ेला	खोवाल	राजोरिया	9928218209	जयपुर
चीना	Diploma Arch & Interior	-	19.7.97	5'1''	दौराया	उदयवाल	खोवाल	सारडीवाल	8290095974	जयपुर
संजना	BCA,NIIT	SEO Gurgaon	19.11.97	5'0''	घासोलिया	कारगवाल	धुमुनिया	दादरवाल	9560205440	नई दिल्ली
मेघा	M.A., B.Ed.	-	27.4.96	5'1''	भौरोदिया	खोवाल	राहोरिया	घासोलिया	8003049786	जयपुर
ज्योति	M.Sc., Bed.	-	15.12.94	5'3''	माचीवाल	घोड़ेला	मारवाल	तूंदवाल	9415028022	कुचामनसिटी
स्वाती	B.E. (EC)	-	13.10.95	5'1''	खण्डारिया	सिंघर	जालवाल	धनेरिया	9226881590	उज्जैन
सुरभी	M.A., DCA	-	15.10.93	5'3''	सिरसीवाल	रतिवाल	अनावड़िया	देवतवाल	9680518970	किशनगढ़
ज्योति(तलाकशुदा)	MA, Bed.	-	23.9.88	5'5''	अडानिया	सल्वाड़िया	टांक	जालवार	7568708311	उदयपुर
अज्बिका	B.E. (EC) PG(VLSI)	-	1.11.91	5'3''	जालवाल	बगराना	धुमुनिया	दम्बीवाल	7020036275	औरंगाबाद
मेघना	M.Sc. (nurssing)		28.10.91	5'2''	लोहरवाडिया	टांक	मारवाल	धनेरिया	9636811191	शाहपुरा
सुराज	M.A.	-	22.9.96	5'4''	बबेरीवाल	पारमवाल	नगरिया	घोड़ेला	7742643647	अजमेर
वैशाली	MBA	Senior Asso.	15.2.89	5'5''	बैथाड़िया	राजोरिया	मारोठिया	-	9891088968	दिल्ली
भारती	M.Sc.(IT)	s/w developer USA	26.4.89	5'2''	बेडवाल	किरोड़ीवाल	निमीवाल	कुक्कड़वाल	9799674533	किशनगढ़
किरण	M.A.	-	14.4.95	5'5''	जालवाल	कांकर	बासोडा	भाथरा	9261392514	कोटा

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपेडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika @gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की कार्यकारिणी का विस्तार

1 जनवरी को कुमावत इंडिया पत्रिका कार्यकारिणी की बैठक पत्रिका के अध्यक्ष रमेश गैदर की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें कार्यकारिणी ने विधि सलाहकार के पद पर राजस्थान उच्च न्यायालय के अधिवक्ता **राकेश कुमावत** को नियुक्त करने का निर्णय लिया। ये सामाजिक कार्यों में बढ़कर चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

रवि कुमावत को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में सम्पादक मंडल सदस्य मनोनीत किया गया। ये जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, सांगानेर, जयपुर में अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। आप बचपन से ही मेहनती व मधुर स्वभाव के धनी हैं। सामाजिक कार्यों में आपकी काफी रूचि रही है। आप सेवा कार्यों में सदैव अग्रणी रहते हैं। आपने अपनी लेखन शैली से सभी को प्रभावित किया है।

राजसिंह बधानिया सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहने व सहयोग करने वाले श्री राजसिंह बधानिया मिश्र राजाजी के रास्ते के निवासी हैं। इन्हें 'कुमावत इंडिया' पत्रिका का व्यवस्थापक मण्डल सदस्य बनाया गया है।

आदरणीय संत मुरली मनोहर 'अकिंचन' द्वारा किए गए उल्लेखनीय कार्यों के लिए 'कुमावत इंडिया' पत्रिका द्वारा उनकी सेवा में सम्मान पत्र भेंट किया गया।

कुमावत समाज ट्रस्ट- सुरत द्वारा आयोजित KPL-4 के भव्य शुभारंभ पर अतिथि के रूप में कैलाश घोडावड का स्वागत।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला मंत्री, टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता व कुमावत इंडिया पत्रिका के सह-सम्पादक

जयसिंह गुडीवाल

को

जन्मदिवस

10 Feb.

की

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएँ

शुभेच्छु :

TEAM CHETAN DHUNDHARIYA

नई सोच-सबका साथ-सबका विकास

टीम चेतन धुंधारिया

विज्ञापन

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के मुख्य संरक्षक श्री सुरेन्द्र कुमार नागा का कार्यकाल पूर्ण होने पर सम्मान

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के मुख्य संरक्षक आदरणीय श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा) वरिष्ठ समाजसेवी का विस्तारित कार्यकाल पूर्ण हो गया। उन्होने अपनी आयु 83 वर्ष हो जाने के कारण कार्य करने में कठिनाई आने की वजह से इस पद से मुक्त करने का आग्रह किया था। उनके आग्रह पर उन्हें भारी मन से कार्यमुक्त किया गया। श्री सुरेन्द्र नागा ने कुमावत प्रगति ट्रस्ट तथा कुमावत इंडिया पत्रिका के सभी साथियों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

आदरणीय श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा) द्वारा 50 वर्ष से समाज की नि:स्वार्थ भाव से सेवा की है जो अनवरत जारी है। ये कुमावत प्रगति ट्रस्ट के संस्थापक ट्रस्टी है तथा 'कुमावत इंडिया' पत्रिका से प्रारम्भ से जुड़कर इसके उत्थान के लिए कार्य किया है। इनका यह योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

आपके सौम्य व्यवहार, मेहनत व समर्पण से सम्पूर्ण कुमावत समाज परिचित है तथा समाज का हर वर्ग प्रशंसा करता है।

कुमावत प्रगति ट्रस्ट एवं 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार ने 01 जनवरी, 2023 को हुई ट्रस्ट की बैठक में आपको सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया तथा गर्व का अनुभव करते हुए इनके दीर्घायु होने व अच्छे स्वास्थ्य की कामना की।

पार्वती कुमावत को पीएचडी

माधव विश्वविद्यालय, सरूपगंज द्वारा पार्वती कुमावत को

ए क्रिटिकल स्टडी ऑन प्रीमियम पैसंजर कार सेगमेंट बाइंग डिसीजन एंड परसेपन इन मीडिल क्लास फैमिलीज ऑफ इंडिया (ए केस स्टडी विथ स्पेशल रेफेरेंस ऑफ उदयपुर डिस्ट्रीक्ट) विषय पर शोध के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। पार्वती कुमावत ने कॉमर्स एंड मैनेजमेंट विभाग के अधिष्ठाता डॉ. मुकेश महावर के निर्देशन में पीएचडी की है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से डॉ. पार्वती कुमावत को हार्दिक बधाई।

श्रद्धांजलि

हमारे पूज्य

स्व. श्री प्रहलाद जी मारवाल

की 13वीं पुण्यतिथि

26 जनवरी, 2023

पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

स्वर्गवास

26 जनवरी, 2010

श्रद्धान्वत

श्रीमती चौथी देवी (पत्नी) ताराचन्द-सन्तोष, आशीष-पुष्पा, किशन-निर्मला, दीपचन्द-ममता, गणेश-समता (पुत्र-पुत्रवधु), राजकमल-तनुजा, मनीष-लीना (पौत्र-पौत्रवधु), कार्तिक, दिव्यांश, अश्विन, दक्ष, अथर्व (पौत्र), सुमन, शशि, लक्षिता, मोनिषा (पौत्री), इप्सिता, डैजू (प्रपौत्री) एवं समस्त मारवाल परिवार कपूरावाला, तह. सांगानेर (जयपुर)

विज्ञापन

नववर्ष पर स्नेह मिलन तथा वृद्धजनों/प्रबुद्धजनों का सम्मान

विजय आनन्द संस्थान के सौजन्य से भट्टों की गली पंचायत के आकेड़ा चौड़, रामपुरा, जयपुर में नववर्ष स्नेह मिलन तथा वृद्धजन/प्रबुद्धजन सम्मान समारोह आयोजित किया गया जिसमें 72 गणमान्य लोगों का सम्मान आदरणीय संत ग्वाला हरीकृष्ण दास जी के सानिध्य में आयोजित हुआ। समारोह की अध्यक्षता श्री सेडूराम मारोठिया वरिष्ठ समाजसेवी ने की तथा समारोह के विशिष्ट अतिथि 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के श्री सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा), श्री सी.एम. बड़ीवाल, श्री रमेश गैदर एवं श्री रामप्रकाश मारोठिया थे। संत ग्वाला हरीकृष्ण दास ने कहा कि वृद्धजनों के सम्मान से समाज को नई दिशा मिलती है। अध्यक्ष श्री सेडूराम मारोठिया ने कहा कि सम्मान पाकर बुजुर्ग अपने आप को असहाय नहीं समझते, इनका सम्मान किया जाना चाहिए। विशिष्ट अतिथि रामप्रकाश कुमावत ने कहा कि सर्वसमाज में हर वृद्ध एवं प्रबुद्धजन का सम्मान किए जाने से यह परम्परा चारों ओर बढ़ जाएगी। कार्यक्रम आयोजक विजय आनन्द संस्था के निदेशक डीडी कुमावत ने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने में प्रबुद्धजनों की विशेष भूमिका होती है। समारोह में बीडीओ के पद पर चयनित दिव्या कुमारी सहित 72 जनों को स्मृति चिह्न व शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार को भी श्री डी डी कुमावत ने सम्मानित किया।

श्रद्धांजलि

स्व. श्री प्रेमचन्द बड़ीवाल

की प्रथम पुण्यतिथि

8 जनवरी, 2023

पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

बैकुण्ठधाम
8 जनवरी, 2022

श्रद्धान्वत

सी. एम. बड़ीवाल (भ्राता),
चैनसुख बड़ीवाल, कैलाश बड़ीवाल,
नितेश बड़ीवाल (पुत्र)

प्रतिष्ठान :
बड़ीवाल टैक्स एंड लॉ प्रैक्टिशनर प्राइवेट लिमिटेड
(दहमीकलां बालाजी स्टैंड, अजमेर रोड, बगरु, जयपुर)
दहमी कलां-बगरु, जयपुर मो. 9829056063, 9929012957

श्रद्धांजलि

12वीं पुण्यतिथि

27 जनवरी, 2023

स्व. श्रीमती नारायणी देवी

धर्मपत्नी स्व. श्री सौभागमल जी

स्व.27.01.2011

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : हेमचन्द-पुष्पा, सतीश-मधु,
योगेन्द्र-रेनू पौत्र-पौत्रवधु : मनीष-मनीषा, शैलेन्द्र-पूनम,
हिमांक-निकिता, पौत्र : साहिल खड़गटा
पड़ पौत्र : तरुण, हर्षवर्धन

2806, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर-302004
कुमावत (खड़गटा-धुंधारिया) जनमंगल सेवा ट्रस्ट (रजि.)

श्रद्धांजलि

स्वर्ग. 12.1.1993

स्व. श्री भैरीलालजी नागा
30वीं पुण्यतिथि
12 जनवरी, 2023

स्व. श्रीमती धन्नीदेवी नागा
बारहवीं पुण्यतिथि
6 नवम्बर 2022

स्वर्ग. 6.11.2010

श्रद्धानवत:

पुत्र-पुत्रवधु : सुरेन्द्र कुमार-विजय कुमारी, स्व. अमरकान्ता- स्व. राधेश्यामजी, पौत्र-पौत्रवधु : बृजेन्द्र-विजयलक्ष्मी, अरुण-हेमलता, संदीप-प्रतिमा, भवानी-मीनाक्षी, चन्द्रजीत-अंजू, सुनील उर्मिला, पड़पौत्रवधु: लोमेश-मीनाक्षी, षड़पौत्र : हनी, समस्त पौत्रियां, दामाद, पड़पौत्रियां, पड़पौत्र, षडपौत्र एवं नागा परिवार

पता- डी-114-ए, सिवाड एरिया, बापूनगर, जयपुर (राज.)
मो 9414994006 फोन 2709925

श्रद्धांजलि

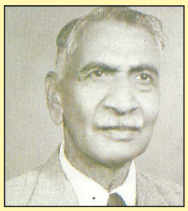

स्व. 28.1.1983

40 वीं पुण्य तिथि
28.1.2023
स्वर्गीय पद्मश्री
रामप्रकाश जी गहलोत

23 वीं पुण्य तिथि
1.4.2023
स्व. श्रीमती बनारसी देवी

स्व. 1.4.2000

श्रद्धावनत

पुत्रवधु : शीला, पौत्र-पौत्रवधु : दिलीप गहलोत-शोभा
पड़पौत्र : खुश, अवि, पौत्री दामाद : सुधीर वर्मा-रश्मी
पड़ दोहिते : अंश एवं अर्थ

9, गहलोत भवन, न्यू कॉलोनी, पाँच बत्ती, एम.आई.रोड, जयपुर-302001
मो. : 9829267666, 9829056570

विज्ञापन

श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन

हरिनाम संकीर्तन परिवार के तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा का रस प्रवाह आदरणीय संत श्री मुरली मनोहर अकिंचन द्वारा 24-30 दिसम्बर तक **स्काउट गाइड सभागार, रामनिवास बाग, जयपुर** में हुआ। यह कथा कल्याण महिला मण्डल द्वारा आयोजित करायी गयी।

अकिंचन जी महाराज ने श्रीमद्भागवत के माहात्म्य की कथा सुनाते हुए कहा कि श्रीमद्भागवत के दर्शन, श्रवण और पूजन से पापों का नाश हो जाता है। उन्होंने बताया कि परमात्मा आनन्द स्वरूप है। आनंद मनुष्य के अंदर रहता है लेकिन मनुष्य उस आनंद को संसार की जड़ वस्तुओं में खोजता है। जिस प्रकार दूध में मक्खन होने पर भी हमें दिखाई नहीं देता है, उसी प्रकार आनंद स्वरूप परमात्मा भी मनुष्य के अंदर विद्यमान रहते हुए भी दिखाई नहीं देते। दूध से मक्खन प्राप्त करने के लिए दूध को गर्म करके दही बनाकर उसका मंथन करने पर मक्खन प्राप्त होता है, उसी प्रकार मनुष्य को मनो मंथन करके उस आनंद को प्रकट करना पड़ेगा।

एक अन्य प्रसंग में उन्होंने कहा कि संसार में रहकर सभी कार्य करते हुए भगवान को प्राप्त किया जा सकता है। तुम घर में रहो, लेकिन घर को अपने मन में मत रखो। घर में रहना पाप नहीं है। घर को मन में रखना पाप है। घर में रहते हुए, अपने सभी व्यवहार निभाते हुए, आसक्ति रहित होकर के प्रभु की प्राप्ति का मार्ग हमें श्रीमद्भागवत सिखाती है।

-कुमावत इंडिया पत्रिका टीम

श्रीमती रेनु एवं
श्री चेतन कुमावत

श्री चेतन कुमावत जिलाध्यक्ष,
भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर
के विवाह की
25वीं वैवाहिक वर्षगांठ
5 फरवरी

एवं

जयसिंह गुडीवाल
को जन्मदिवस
10 Feb.

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

शुभेच्छुः कुमावत इंडिया पत्रिका परिवार

विज्ञापन

श्रीमती रेनु एवं श्री चेतन कुमावत
को
25वीं वैवाहिक वर्षगांठ
5 फरवरी

की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

श्री सत्यनारायण कुमावत-श्रीमती कान्ता कुमावत
(रिटायर्ड एडीशनल एस.पी. राजस्थान पुलिस)

शुभेच्छुः

दुष्यंत सिंह-ऋतु कुमावत
आदित्य, सारा व स्वरा

राकेश कुमावत-मीना कुमावत
(सीनियर ऑडिट ऑफिसर, ए.जी. ऑफिस, राज.)
मो. 9460061006, 8619095887

एस-3 बी, कबीर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर-302016

विज्ञापन

Happy Republic Day-2023

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

Email: cmtartsindia@gmail.com
Website : www.sandalwood.cn.com

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Happy Republic Day-2023

25वीं वैवाहिक वर्षगांठ
5 फरवरी
की हार्दिक बधाई
एवं शुभकामनाएँ

श्रीमती रेनु एवं श्री चेतन कुमावत

शुभेच्छु:

Raj Blocks
Since-1977

A COMPLETE
PRINTING SOLUTION

OFFSET PRINTERS

B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area,
22 Godown, Jaipur Ph.: 0141-4022538
Mob: 9414052736 • 9928910068

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300

RNI - RAJHIN/2017/74285

प्रेषक: कुमावत इंडिया पत्रिका
एफ 31/ए, एस. एल. मार्ग,
लाल बहादुर नगर-ब., दुर्गापुरा, जयपुर - 302018